उज्जैन
शुक्रवार
21
अगस्त, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-288
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 एक महीने में 13 बार पेनकिलर खाई, दोनों किडनियां खराब

7 फिर टल सकता है भारत का बांग्लादेश दौरा

युवाओं से जुड़ें, ताकि नीतियां बनाने में नए आइडिया मिल सकें : पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने केंद्रीय सचिवों के साथ बैठक की। पीएमओ के बयान के मुताबिक, मोदी ने अधिकारियों से कहा कि वे यूनिवर्सिटी और युवाओं से जुड़ें। ताकि नीतियां बनाने में नए आइडिया मिल सकें। पिछले महीने दिल्ली के जंतर-मंतर में नीट पेपर लीक को लेकर छात्रों के प्रदर्शन के बाद सरकार युवाओं को तरजीह दे रही है। पीएम ने इंस्टाग्राम पर रील्स के जरिए छात्रों से संवाद भी किया। यही नहीं पीएम मंत्रियों से भी सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने की बात कह चुके हैं। मोदी ने पर बताया कि सचिवों के साथ बैठक में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, सुरक्षा और विदेश मामलों से जुड़े मंत्रालयों के काम पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि सचिवों को आज की समस्याओं और आंकड़ों पर ध्यान देने के साथ देश के भविष्य के बारे में भी सोचना चाहिए।

इंडियन ऑयल की अल्जीरिया की कंपनी सोनाट्रेक से एलपीजी डील

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल ने अल्जीरिया की सरकारी कंपनी सोनाट्रेक के साथ साल 2027 के लिए एलपीजी यानी रसोई गैस आयात करने की डील साइन की है। भारत ने यह कदम खाड़ी देशों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए उठाया है। इस साल अमेरिका-ईरान के बीच हुई जंग के कारण 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर गैस सप्लाई रुक गई थी। इससे भारत में ईंधन की कमी हो गई थी और सरकार को सिलेंडरों की सीमित सप्लाई करनी पड़ी थी। भविष्य में ऐसी नौबत दोबारा न आए और घरों में गैस की सप्लाई बिना रुके चलती रहे, इसीलिए भारत अब अल्जीरिया से सीधे गैस मंगाएगा। इस डील के तहत, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को हर महीने अल्जीरिया से 45,000 टन से लेकर 55,000 टन तक एलपीजी भारत पहुंचेगी।

बीएनपी के मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर बने नए राष्ट्रपति

ढाका। बांग्लादेश की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर देश के नए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। संसद में हुए राष्ट्रपति चुनाव में 78 वर्षीय आलमगीर ने विपक्षी उम्मीदवार कर्नल (सेवानिवृत्त) ओली अहमद को 255-88 के अंतर से हराया। बांग्लादेश में करीब 35 साल बाद राष्ट्रपति पद के लिए पहली बार मुकाबले वाला चुनाव हुआ है। इससे पहले 1991 के बाद राष्ट्रपति पद के चुनाव में इस तरह का सीधा मुकाबला नहीं हुआ था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और राष्ट्रपति चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर एएमएम नासिर उद्दीन ने मतदान और मतगणना पूरी होने के बाद परिणाम की घोषणा की।

पूर्व मेयर धर्मेंद्र गहलोत ने पार्टी छोड़ी देवनानी पर लगाए गंभीर आरोप

अजमेर। राजस्थान में निकाय चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी को अजमेर में बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। अजमेर के पूर्व महापौर और नागौर जिला प्रभारी धर्मेंद्र गहलोत ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने नागौर जिला प्रभारी की जिम्मेदारी से भी खुद को मुक्त करने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को पत्र भेजा है। इस्तीफे के साथ जारी किए गए वीडियो में गहलोत ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि उनके खिलाफ कार्रवाई राजनीतिक मतभेदों के कारण की जा रही है. गहलोत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह दबाव के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। धर्मेंद्र गहलोत और वासुदेव देवनानी के बीच राजनीतिक और वैचारिक मतभेद पहले से चर्चा में रहे हैं।

जंतर-मंतर पर पुलिस एक्शन- सुप्रीम कोर्ट ने जांच कमेटी बनाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को संसद मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई के आरोपों की जांच के लिए 5 सदस्यों की हाई पावर्ड कमेटी के नामों का ऐलान किया। कमेटी का अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस आर सुभाष रेड्डी को बनाया गया है। इसमें पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शलिंदर कौर, उइक के पूर्व डायरेक्टर ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के रिटायर्ड डीजीपी डॉ. एलआर बिश्नोई शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को सुनवाई के दौरान इस कमेटी को बनाने का फैसला लिया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पैलेटगन इस्तेमाल करने और महिलाओं से बदसलूकी के आरोप लगाए थे।

पेरू में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया, कई इलाकों में झटके महसूस

पेरू। पेरू के दक्षिणी हिस्से में गुरुवार को 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से नुकसान की कोई खबर नहीं मिली। भूकंप स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1 बजे (भारतीय समयानुसार रात 11:30 बजे) आया। इसका केंद्र आयाकूचो क्षेत्र के पैरिनाकोचास प्रांत में उपाहुआचो शहर से 38 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। भूकंप का केंद्र जमीन से 66.7 किलोमीटर गहराई में था। दक्षिणी पेरू के कई इलाकों में इसके झटके महसूस किए गए, जिनमें इंका और अरेकिपा भी शामिल हैं। पेरू प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है।

पांच दिन के वर्किंग सिस्टम में बदलाव पर सरकार कर रही विचार

देरी से आने पर शॉर्ट लीव या हाफ डे का प्रावधान संभव

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पूरे प्रदेश के साथ ही अब उज्जैन जिले में भी सरकारी कार्यालयों के कामकाज और कर्मचारियों की उपस्थिति व्यवस्था में बड़ा बदलाव किए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। कर्मचारियों के समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने की लगातार मिल रही शिकायतों के बीच राज्य सरकार मौजूदा पांच दिन के वर्किंग सिस्टम को समाप्त कर सप्ताह में छह दिन सरकारी कार्यालय संचालित करने के विकल्प पर विचार कर रही है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर इसका असर प्रदेश के करीब साढ़े पांच लाख अधिकारी-कर्मचारियों पर पड़ सकता है। साथ ही, कर्मचारियों की उपस्थिति को रियल टाइम में दर्ज करने के लिए अत्याधुनिक डिजिटल अटेंडेंस सिस्टम भी तैयार किया जा रहा है।

- सरकारी दफ्तरों में अब छह दिन काम की तैयारी
- रियल टाइम अटेंडेंस से होगी कर्मचारियों की निगरानी

फेस रिकग्निशन से दर्ज होगी उपस्थिति

सामान्य प्रशासन विभाग प्रदेश के सरकारी कार्यालयों के लिए ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार कराने की दिशा में काम कर रहा है, जिससे कर्मचारियों की उपस्थिति की ऑनलाइन और रियल टाइम निगरानी की जा सके। प्रस्तावित व्यवस्था में फिंगरप्रिंट के साथ फेस रिकग्निशन तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को सॉफ्टवेयर तैयार करने की जिम्मेदारी दिए जाने की बात सामने आई है।

- **मुख्यमंत्री तक पहुंची थीं समय पर कार्यालय नहीं आने की शिकायतें-** सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों के समय पर नहीं पहुंचने की शिकायतें लंबे समय से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंच रही हैं। जनप्रतिनिधियों और अन्य विशिष्ट लोगों की ओर से मंत्रालय सहित राज्य शासन एवं प्रशासन से जुड़े कार्यालयों में समय पर कामकाज शुरू नहीं होने की शिकायतें की गई थीं। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्यालय समय का पालन करने की सार्वजनिक रूप से हिदायत दी थी। इसके बाद उन्होंने मंत्रालय का औचक निरीक्षण भी किया था। मंत्रालय के अलावा विंध्याचल और सतपुड़ा भवन सहित अन्य सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति की निगरानी के लिए विशेष टीमों के माध्यम से डाटा भी तैयार कराया गया था।
- **मौजूदा बायोमेट्रिक सिस्टम में सामने आई तकनीकी खामियां-** मुख्यमंत्री ने मई में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर समीक्षा की थी। इसके बाद वर्तमान बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम में तकनीकी खामियों और उसके ठीक ढंग से काम नहीं करने की शिकायतें सामने आईं। अब सरकार पुराने सिस्टम की कमियों को दूर करने के साथ अधिक प्रभावी डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कराने पर जोर दे रही है।

देर से पहुंचने पर दर्ज हो सकता है हाफ डे

प्रस्तावित नई व्यवस्था में कार्यालय पहुंचने के निर्धारित समय का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा। यदि कोई कर्मचारी लगातार देर से कार्यालय पहुंचता है तो सिस्टम के माध्यम से उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई का रास्ता तैयार किया जा सकता है। देरी के आधार पर शॉर्ट लीव अथवा हाफ डे दर्ज किए जाने का प्रावधान किया जा सकता है। इसका प्रभाव कर्मचारी के वेतन और सेवा रिकॉर्ड पर भी पड़ सकता है। हालांकि आंखों की पुतली (आइरिस स्कैन) के जरिए उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। छह दिन कार्यालय खोलने और नई डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर अंतिम निर्णय सरकार की मंजूरी के बाद ही स्पष्ट होगा।

तीन बत्ती चौराहे पर बढ़ी भिक्षावृत्ति

बच्चों को कंधे पर लटकाकर भीख मांगने से लोग परेशान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर के प्रमुख तीन बत्ती चौराहे और आसपास के सिग्नलों पर इन दिनों बच्चों से लेकर महिलाओं तक कई लोगों को भीख मांगते हुए देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार इनमें कुछ महिलाएं छोटे-छोटे बच्चों को अपने कंधों पर लटकाए हुए भी राहगीरों से पैसे मांगती नजर आती हैं। इससे चौराहे की व्यवस्था और यातायात के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि चौराहे और सिग्नल के आसपास लंबे समय से ऐसे लोगों की आवाजाही बढ़ी है। वाहन रुकते ही ये लोग वाहन चालकों और राहगीरों के पास पहुंचकर भीख मांगने लगते हैं। कई बार छोटे बच्चों को साथ लेकर भीख मांगने का सिलसिला देखने को मिलता है। नागरिकों का सवाल है कि आखिर ये लोग कहां से आ रहे हैं और क्या इनके संबंध में प्रशासन के पास कोई जानकारी अथवा रिकॉर्ड है?

गंदगी का भी आरोप

नागरिकों का आरोप है कि भीख मांगने वालों ने चौराहे के आसपास ही अस्थायी रूप से डेरा जैसा बना लिया है, जिससे वहां गंदगी फैल रही है। सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की स्थिति से राहगीरों और आसपास के दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बच्चों की सुरक्षा पर भी सवाल

सबसे गंभीर सवाल छोटे बच्चों को लेकर उठ रहे हैं। सिग्नल और व्यस्त चौराहे पर बच्चों को साथ लेकर भीख मांगना उनकी सुरक्षा के लिए जोखिम भरा हो सकता है। नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को यह भी जांचना चाहिए कि ये बच्चे वास्तव में उनके परिजन हैं या किसी संगठित गिरोह द्वारा बच्चों का इस्तेमाल तो नहीं किया जा रहा।

प्रशासन से जांच और कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और नगर निगम से तीन बत्ती चौराहे तथा आसपास के सिग्नल क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्थिति का संज्ञान लेने की मांग की है। साथ ही पुलिस और महिला एवं बाल विकास विभाग को भी बच्चों की स्थिति की जांच करनी चाहिए, ताकि यदि किसी प्रकार का शोषण या बाल भिक्षावृत्ति सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। नागरिकों का कहना है कि समस्या का समाधान केवल लोगों को वहां से हटाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। जरूरतमंद परिवारों की पहचान कर उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और बच्चों को शिक्षा एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में भी कदम उठाए जाने चाहिए। अब देखना यह है कि प्रशासन तीन बत्ती चौराहे की इस स्थिति का संज्ञान लेकर कब तक ठोस कार्रवाई करता है।

एनटीए ने कहा- 'आंसर की' पर फीस लेना पैसा कमाना नहीं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने एग्जॉम के बाद जारी 'आंसर की' को चैलेंज करने वाली फीस पर गुरुवार को सफाई दी। एनटीए ने कहा- आंसर की में अगर किसी सवाल का जवाब गलत लगता है तो उम्मीदवार चैलेंज कर सकता है। इसके लिए हर सवाल पर 200 रुपये फीस देनी होती है। एजेंसी ने कहा कि फीस इसलिए है, ताकि बेवजह की आपत्तियां न आएं। इसका मकसद छात्रों से पैसे कमाना नहीं है। यानी अगर आपको सच में आंसर की में गलती मिली है और आपकी आपत्ति सही है तो पैसे भी वापस मिलेंगे और लाखों छात्रों का रिजल्ट सही हो सकता है। एनटीए ने 16 अगस्त को यूजीसी-एईटी के 84 सब्जेक्ट के एग्जाम की आंसर की जारी की थी। हालांकि, उसी दिन एनटीए ने इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषयों की परीक्षाएं रद्द कर दी थी।

जांच के बाद जेल भेजे गए इमरान खान

छह डॉक्टरों की टीम ने किया चेकअप, नौ महीने बाद पत्नी और बहन से हुई मुलाकात

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इस्लामाबाद

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद वापस अदियाला जेल भेज दिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टरों ने जांच के बाद माना कि इमरान खान को जेल में रखना फिलहाल सुरक्षित है।

पीटीआई संस्थापक और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में छह विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा मेडिकल जांच के बाद वापस अदियाला जेल भेज दिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टरों ने उन्हें हिरासत में रखना सुरक्षित बताया। सुप्रीम कोर्ट ने पहले उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए अस्पताल में जांच और इलाज का आदेश दिया था। सरकार ने इस फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की, जिसे रजिस्ट्रार कार्यालय ने आपत्तियों के साथ वापस कर दिया। इस बीच इमरान खान को बनी गाला भेजने और विदेश में इलाज कराने जैसे विकल्पों पर भी चर्चा शुरू हो गई है। इमरान खान ने मंगलवार को अदियाला जेल में अपनी पत्नी बुशरा बीबी और बहन नोरीन नियाजी से मुलाकात की। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल यह पहली बार था जब उनकी परिवार के इन सदस्यों से मुलाकात हुई।

सस्ती हो सकती है चीनी

दो महीने में 40% महंगी, अभी एक किलो का दाम करीब 55 रुपए, ईरान जंग का असर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

आने वाले दिनों में चीनी सस्ती हो सकती है। केंद्र सरकार ने इसके आयात को टैक्स फ्री कर दिया है। चीनी के लगातार बढ़ते दामों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ये फैसला लिया है। ये छूट 31 अक्टूबर तक रहेगी। अभी चीनी रिटेल में ?55 प्रति किलो के करीब बिक रही है। चीनी की किल्लत और दाम बढ़ने की मुख्य वजह मौसम की मार है। बारिश और सूखे के कारण गन्ने की फसल प्रभावित हुई है, क्योंकि गन्ने फसल को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। गन्ने का उत्पादन घटने और मांग बढ़ने से चीनी के दाम देशभर में पिछले दो महीनों में करीब 40% तक बढ़ गए हैं। आशंका है कि अगले तीन महीनों तक कीमतें ऊंचे स्तर पर ही रहेंगी।

इलॉन मस्क भारत के गांव और दूरदराज इलाकों में इंटरनेट पहुंचाएंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

इलॉन मस्क ने कहा कि स्टारलिंक से भारत के उन दूरदराज और ग्रामीण इलाकों तक इंटरनेट पहुंचाया जा सकता है, जहां अब भी कनेक्टिविटी की बड़ी समस्या है। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट शेयर कर यह बात कही है।

इलॉन मस्क ने पर डॉगेडिजाइनर के एक पोस्ट को री-शेयर करते हुए लिखा, स्टारलिंक भारत में सबसे कम सुविधा पाने वाले लोगों, खासकर ग्रामीण इलाकों की मदद करेगा।

डॉगेडिजाइनर के पोस्ट के मुताबिक, मई 2026 तक भारत के 11,000 से ज्यादा लिस्टेड गांवों में 4जी नेटवर्क की पहुंच नहीं थी। आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 तक भारत में कुल 1.093 बिलियन (109.3 करोड़) इंटरनेट सब्सक्रिप्शन थे। इनमें से ग्रामीण इलाकों में 44.87 करोड़ (440.87 मिलियन) सब्सक्राइबर्स थे। सरकारी योजना भारतनेट के तहत देश भर में 8.5 लाख रूट-किलोमीटर से ज्यादा फाइबर बिछाया जा चुका है।

भावनगर में नकली शराब का कहर

8 की मौत, 13 आरोपी गिरफ्तार 6 पुलिसकर्मी निलंबित

ब्रह्मास्त्र ▸▸ राजकोट

गुजरात के भावनगर जिले में नकली शराब पीने से हुई मौतों का आंकड़ा बढ़कर आठ हो गया है, जबकि 31 लोग अलग-अलग अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। मामले की जांच में कथित तौर पर एक संगठित नेटवर्क के जरिए मिथेनॉल मिलाकर नकली शराब तैयार करने और उसे असली ब्रांड की बोतलों में भरकर बेचने का खुलासा हुआ है। पुलिस ने मामले में 21 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए छह पुलिसकर्मियों को भी निलंबित किया गया है।

पुलिस जांच के अनुसार नकली शराब तैयार करने के लिए मध्य प्रदेश के उज्जैन से नरेंद्रसिंह यादव उर्फ डॉक्टर को बुलाया गया था। बताया जा रहा है कि उसे शराब तैयार करने की प्रक्रिया में विशेषज्ञता के कारण भावनगर लाया गया था। हालांकि, जिस जहरीली शराब को तैयार करने के लिए उसे बुलाया गया था, वही उसके लिए भी जानलेवा साबित हुई और उसकी भी मौत हो गई। मामले की जांच में गुजरात और मध्य प्रदेश के बीच फैले नेटवर्क की भूमिका सामने आने के बाद पुलिस ने कई ठिकानों पर कार्रवाई तेज कर दी है। जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क में गौतम सोलंकी और मध्य प्रदेश के रईश सहित कई अन्य लोग कथित रूप से शामिल थे। पुलिस ने मुख्य आरोपी रईश को इंदौर से गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि नकली शराब बनाने के लिए जरूरी सामग्री कहां से लाई जाती थी, इसे तैयार करने के बाद किन इलाकों में भेजा जाता था और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की क्या भूमिका थी।

केंद्रीकरण से महत्वपूर्ण विभागों में बड़े और अंतर

विभागीय फैसलों में बेहतर समन्वय

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार और मौजूदा डॉ. मोहन यादव सरकार के मंत्रिमंडल की कार्यप्रणाली की तुलना करें तो एक बड़ा अंतर विभागों के बंटवारे को लेकर नजर आता है। शिवराज सरकार के अंतिम कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील विभाग अलग-अलग वरिष्ठ मंत्रियों के पास थे, जबकि मोहन यादव सरकार में कई बड़े विभाग मुख्यमंत्री ने स्वयं अपने पास रखे हैं। भाजपा की मौजूदा मंत्रिपरिषद सूची में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, गृह एवं जेल सहित कई महत्वपूर्ण विभाग दर्ज हैं।

गृह और जेल–नरोत्तम मिश्रा से सीधे मुख्यमंत्री के पास

शिवराज सरकार में सबसे महत्वपूर्ण विभागों में शामिल गृह, जेल, संसदीय कार्य तथा विधि एवं विधायी कार्य की जिम्मेदारी डॉ. नरोत्तम मिश्रा संभाल रहे थे। 2020 में विभागों के बंटवारे के समय भी नरोत्तम मिश्रा को गृह, जेल, संसदीय कार्य और विधि विभाग दिए गए थे। 2023 के विधानसभा चुनाव तक भी नरोत्तम मिश्रा गृह मंत्री थे। चुनाव परिणाम में उन्हें दतिया सीट से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सत्ता परिवर्तन के साथ गृह और जेल जैसे महत्वपूर्ण विभाग मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास आ गए।

लोक निर्माण विभाग–गोपाल भार्गव की जगह बदला समीकरण

शिवराज सरकार में वरिष्ठ नेता गोपाल भार्गव लोक निर्माण विभाग जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। 2023 के चुनाव तक वे लोक निर्माण मंत्री थे। मोहन यादव सरकार में विभागों के गठन के बाद लोक निर्माण विभाग अलग मंत्री को दिया गया, लेकिन गोपाल भार्गव जैसे वरिष्ठ नेताओं को मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला। इससे शिवराज सरकार के समय के विभागीय ढांचे में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

नगरीय प्रशासन–भूपेंद्र सिंह के हाथों से निकला विभाग

शिवराज सरकार में भूपेंद्र सिंह के पास नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी थी। वे खुरई से विधायक हैं और शिवराज सरकार के दौरान परिवहन तथा गृह जैसे महत्वपूर्ण विभाग भी संभाल चुके थे। 2023 में चुनाव तक उनके पास नगरीय प्रशासन विभाग था। मोहन यादव सरकार में यह विभाग दूसरे मंत्री को सौंपा गया और भूपेंद्र सिंह को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली।

- **खनिज विभाग–बृजेंद्र प्रताप सिंह से मुख्यमंत्री के पास-** शिवराज सरकार में बृजेंद्र प्रताप सिंह खनिज संसाधन विभाग के मंत्री थे। 2023 के चुनाव तक वे इस महत्वपूर्ण विभाग को संभाल रहे थे। मोहन यादव सरकार के विभागीय बंटवारे में खनिज साधन विभाग मुख्यमंत्री के पास रखा गया। खनन और राजस्व की दृष्टि से यह प्रदेश का बेहद महत्वपूर्ण विभाग माना जाता है।
- **औद्योगिक नीति–राजवर्धन सिंह से मुख्यमंत्री के पास-** शिवराज सरकार में राजवर्धन सिंह दत्तीगांव के पास औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग था। 2023 के विधानसभा चुनाव तक वे इस विभाग के मंत्री रहे। वर्तमान व्यवस्था में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास है।
- **नर्मदा घाटी विकास भी मुख्यमंत्री के पास-** नर्मदा से जुड़े बड़े बांध, सिंचाई और जल परियोजनाओं के लिहाज से नर्मदा घाटी विकास विभाग बेहद महत्वपूर्ण है। वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं इस विभाग की समीक्षा कर रहे हैं। जून 2026 में उन्होंने नर्मदा घाटी विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की थी।
- **जनसंपर्क भी मुख्यमंत्री के पास-** शिवराज सरकार में जनसंपर्क विभाग अलग मंत्री के पास रहा। अंतिम कार्यकाल में यह जिम्मेदारी वरिष्ठ मंत्री राजेंद्र शुक्ल के पास थी। 2023 के चुनाव तक राजेंद्र शुक्ल जनसंपर्क मंत्री थे। मोहन यादव सरकार में जनसंपर्क विभाग मुख्यमंत्री के पास रखा गया है। यही विभाग सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और नीतियों को जनता तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाता है।

खबर एक नजर...

पंजाबी महिला विकास समिति ने रोपे 51 छायादार पौधे

उज्जैन। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पंजाबी महिला विकास समिति ने इंदौर रोड पर 51 छायादार पौधे रोपे। समिति की महिलाओं ने पौधारोपण कर समाज को हरियाली सहेजने का संदेश दिया। यहां खुली जमीन पर नीम, पीपल और केतकी सहित अन्य बड़े छायादार प्रजातियों के पौधे लगाए गए। समिति अध्यक्ष शुभ्रा जुल्का ने बताया कि सदस्यों ने एकजुट होकर पौधारोपण किया। इस अवसर पर समिति की सचिव रितु टंडन और कोषाध्यक्ष मंजू कपिल विशेष रूप से उपस्थित थीं। कार्यक्रम में आउटिंग होस्ट की जिम्मेदारी सीमा छाबड़ा, मनोरमा गांधी और रूबी मल्होत्रा ने निभाई। इस दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसका शानदार संचालन कामिनी जुनेजा और पूनम जुल्का ने किया। आयोजन में समिति की अनेक सदस्याओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

पंजाबी महिला विकास समिति ने रोपे 51 छायादार पौधे

उज्जैन। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पंजाबी महिला विकास समिति ने इंदौर रोड पर 51 छायादार पौधे रोपे। समिति की महिलाओं ने पौधारोपण कर समाज को हरियाली सहेजने का संदेश दिया। यहां खुली जमीन पर नीम, पीपल और केतकी सहित अन्य बड़े छायादार प्रजातियों के पौधे लगाए गए। समिति अध्यक्ष शुभ्रा जुल्का ने बताया कि सदस्यों ने एकजुट होकर पौधारोपण किया। इस अवसर पर समिति की सचिव रितु टंडन और कोषाध्यक्ष मंजू कपिल विशेष रूप से उपस्थित थीं कार्यक्रम में आउटिंग होस्ट की जिम्मेदारी सीमा छाबड़ा, मनोरमा गांधी और रूबी मल्होत्रा ने निभाई। इस दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसका शानदार संचालन कामिनी जुनेजा और पूनम जुल्का ने किया। आयोजन में समिति की अनेक सदस्याओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

अपनी कार्यशैली से नई ऊंचाइयां छुएंगी पदोन्नत एलएचवी मोना सर्वेकर- एमआर मंसूरी

उज्जैन। एनबीएसके जिला आगर की जिला अध्यक्ष मोना सर्वेकर की पदोन्नति शहरी परिवार कल्याण केंद्र जीवाजीगंज, उज्जैन में होने पर उनका स्वागत किया गया। एनबीएसके के संभागीय अध्यक्ष एमआर मंसूरी के नेतृत्व में उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए एमआर मंसूरी ने कहा कि नवागत एलएचवी मोना सर्वेकर अपनी बेहतरीन कार्यशैली और सुपरिणामों से कार्यों में नवीन ऊंचाइयां प्राप्त करेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव ने की। इस दौरान अतिथि के रूप में डॉक्टर खुर्शीद लोहावाला, डॉक्टर जितेंद्र जाट और डॉक्टर तनु प्रिया बघेल मौजूद थीं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष एसपी अहिरवार, संभागीय सचिव संजय सिसोदिया, संभागीय संगठन मंत्री लक्ष्मी नारायण गहलोत, जीवाजीगंज संस्था की राधा पाटीदार, वर्षा शर्मा, श्यामा चौधरी, रंजुला चौरसिया, खुशबू राठोर, मधु मालवीय, सुनीता पवार, लता सोलंकी और अर्चना शर्मा उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन एमआर मंसूरी ने किया तथा आभार संभागीय सचिव संजय सिसोदिया ने माना।

अक्षय ऊर्जा दिवस पर निर्मला कॉलेज के विद्यार्थियों ने बनाई पर्यावरण रील्स

उज्जैन। निर्मला कॉलेज और निर्मला कॉलेज ऑफ एजुकेशन की पर्यावरणीय स्थिरता समिति के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को निर्मला महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण पर आधारित एक मिनट की स्वनिर्मित रील्स का प्रदर्शन कर अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई इन रील्स के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निर्मला कॉलेज समूह के निदेशक फादर डॉ. एंटनी जोसफ निराप्पेल ने की। इस अवसर पर निर्मला कॉलेज की प्राचार्य व निर्मला कॉलेज ऑफ एजुकेशन की अकादमिक निदेशक प्रोफेसर कीर्ति दिद्दी, निर्मला कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्राचार्य डॉ. पंकजा सोनवलकर सहित पूरा स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। संचालन निर्मला डॉ. विश्वास तिवारी ने किया तथा आभार निर्मला डॉ. हेमलता व्यास ने माना।

विचार क्रांति साहित्य मंच ने मनाई तुलसी जयंती

उज्जैन। श्रीधाम आश्रम स्थित राम जानकी मंदिर में विचार क्रांति साहित्य मंच द्वारा तुलसी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भारत माता मंदिर न्यास की संस्थापिका हेमलता सरकार को 12वें मानस तुलसी सम्मान से अलंकृत किया गया। समारोह में हरियाणा, राजस्थान और स्थानीय साहित्यकारों का भी प्रतिभा सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजक सुगनचंद जैन ने बताया कि भिवानी हरियाणा के साहित्यकार अक्षय राज शर्मा को अक्षर कला सम्मान, राजेश कुमार सरल को काव्य रत्न सम्मान, बारां राजस्थान के बुद्धि प्रकाश सेन बुद्धि को काव्य भूषण सम्मान और उज्जैन के युवा गीतकार शुभम शर्मा शिवम को काव्य प्रतिभा सम्मान प्रदान किया गया।

इस्कॉन में 4 सितंबर को मनेगी भव्य जन्माष्टमी , 5 को मनेगा नंदोत्सव

23 अगस्त से शुरू होगा उत्सवों का दौर, वृंदावन के प्रख्यात कथाकार सुनाएंगे लीलाएं, 28 को बलराम पूर्णिमा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर के इस्कॉन मंदिर में 23 अगस्त से विशेष धार्मिक उत्सवों की शुरूआत होने जा रही है। महोत्सव का मुख्य आकर्षण 4 सितंबर को मनाई जाने वाली श्रीकृष्ण जन्माष्टमी होगी। मंदिर प्रबंधन ने आयोजनों की रूपरेखा तैयार कर ली है, जिसमें भगवान के महाभिषेक से लेकर वृंदावन के प्रख्यात संतों की कथाएं शामिल हैं। 4 सितंबर को इस्कॉन उज्जैन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस दिन 24 घंटे कीर्तन, भगवान के विशेष दर्शन और श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी का आयोजन होगा। रात 10.30 बजे भगवान का महाभिषेक किया जाएगा और ठीक रात्रि 12 बजे महाआरती होगी। जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में 1 और 2 सितंबर को बाल कथाकार मधुकंठ जी कथा प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद 3 से 5 सितंबर तक वृंदावन इस्कॉन भागवत महाविद्यालय के पूर्व प्रमुख श्रीपाद व्रजसुंदर प्रभु भगवान की लीलाओं का वर्णन करेंगे। उत्सवों के क्रम में 23 से 28 अगस्त तक झूलन यात्रा पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान श्री श्री राधा मदनमोहन जी फूलों से सुसज्जित झूले में विराजमान होंगे और भक्तों को उन्हें झूला झुलाने का सौभाग्य मिलेगा। साथ ही नियमित संकीर्तन होगा। 28 अगस्त को बलराम पूर्णिमा पर भगवान बलराम जी का आविर्भाव दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर वृंदावन के प्रख्यात कथाकार श्रीपाद शीर्ष प्रभु भगवान बलराम के आविर्भाव और श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर कथा प्रस्तुत करेंगे।

5 सितंबर को मनेगा संस्थापक आचार्य का 130वां जन्मोत्सव

जन्माष्टमी के अगले दिन 5 सितंबर को मंदिर में नंदोत्सव मनाया जाएगा। इसी दिन इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद जी का 130वां जन्मोत्सव भी पूर्ण श्रद्धा और उल्लास के साथ मनेगा। इस्कॉन उज्जैन प्रबंधन ने शहर के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से इन धार्मिक कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

महाकाल से भगवान देवनारायण की जन्मस्थली ले जाएंगे क्षिप्रा का जल

क्षिप्रा को 351 फीट चुनरी ओढ़ाकर जल कलश पदयात्रा आज से, 15 दिन में पहुंचेगी राजस्थान

रामघाट पर सुबह 10 बजे होगा अभिषेक, हजारों श्रद्धालु होंगे शामिल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मोक्षदायिनी क्षिप्रा नदी को 351 फीट की चुनरी ओढ़ाकर शुक्रवार सुबह 10 बजे रामघाट से 15 दिवसीय धार्मिक जल कलश पदयात्रा का शुभारंभ होगा। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में यह पदयात्रा महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन से राजस्थान के भीलवाड़ा स्थित भगवान देवनारायण की जन्मभूमि मालासेरी डुंगरी के लिए रवाना होगी।

यात्रा संयोजक लाखन सिंह लोहागढ़ ने बताया कि रवानगी से पूर्व रामघाट पर क्षिप्रा का विधि-विधान से अभिषेक व पूजन किया जाएगा। इसके बाद श्रद्धालु क्षिप्रा का जल कलश में लेकर 'जय देव' के घोष के साथ रवाना होंगे। मध्य प्रदेश और राजस्थान के विभिन्न शहरों से होते हुए यह पदयात्रा 4 सितंबर को जन्माष्टमी के पर्व पर मालासेरी डुंगरी पहुंचेगी। वहां इसी जल से विष्णु अवतार भगवान देवनारायण का महाअभिषेक किया जाएगा। यह यात्रा सर्व समाज में आस्था, भक्ति और धार्मिक एकता का संदेश देगी। रामघाट से शुरू होकर यह यात्रा हरसिद्धि मंदिर, नृसिंह घाट ब्रिज, मेला ग्राउंड और रणजीत हनुमान मंदिर होते हुए माता सांडू की बावड़ी पहुंचेगी। यहां धर्मसभा, अतिथि सत्कार और भोजन प्रसादी का आयोजन होगा। मार्ग में जगह-जगह मंच बनाकर पदयात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। शुभारंभ अवसर पर मालासेरी डुंगरी के मुख्य पुजारी हेमराज पोसवाल, भाजपा की राष्ट्रीय सचिव व राज्यसभा सांसद डॉ. अलका गुर्जर, उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष डॉ. रवि सोलंकी, महापौर मुकेश टटवाल, उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, देवनारायण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रघुवीर पटेल, अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य रामलाल मालवीय, नारायण यादव, कलावती यादव, राजेंद्र भारती और वैभव यादव बतौर अतिथि उपस्थित रहेंगे।

शिव-पार्वती विवाह में निकली भूत-प्रेतों की बारात, आज मनेगा गणपति जन्मोत्सव

उज्जैन। मक्सी रोड पवांसा स्थित शीतल स्कूल के पास श्रीराम विजय वाटिका में शंखनाद समिति द्वारा सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के तीसरे दिन ज्योतिषाचार्य अजय शंकर तिवारी ने शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया। इस दौरान कथा पंडाल में भूत-प्रेतों की बारात निकाली गई। इसके पश्चात शिव-पार्वती की वरमाला और भावपूर्ण विदाई का प्रसंग भी जीवंत किया गया। कथा में शुक्रवार को गणपति जन्मोत्सव मनाया जाएगा। यह कथा प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक आयोजित की जा रही है। कथा संयोजक आनंद सिंह खींची और कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र सिंह गौड़ ने बताया कि कथा 24 अगस्त तक चलेगी। कथा विश्राम के अगले दिन 25 अगस्त को पवांसा, पांड्याखेड़ी, नीमनवासा और शंकरपुर क्षेत्र की संयुक्त विशाल शोभायात्रा व कलश यात्रा निकाली जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में तुलसीदास के युगबोध पर मंथन

शाश्वत है तुलसी का राष्ट्र, परिवार और विश्व धर्म के निर्वाह का संदेश

वर्तमान दौर की सभी समस्याओं के उत्तर रामचरितमानस में मौजूद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना उज्जैन द्वारा तुलसी जयंती के उपलक्ष्य में 'गोस्वामी तुलसीदास का युगबोध और वर्तमान विश्व' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि तुलसीदास का काव्य आधुनिकता के दौर में भी अपार प्रेरणापुंज है और वर्तमान समय की सभी समस्याओं के उत्तर रामचरितमानस में निहित हैं।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि तुलसी शोध संस्थान सोरों सूकरक्षेत्र कासगंज उत्तर प्रदेश के निदेशक उमेश पाठक ने कहा कि इन दिनों मानस की चौपाइयों का अवधीकरण हो रहा है, जबकि रामचरितमानस सौकरवीय भाषा में लिखी गई थी। हमें सत्य के प्रकाश में जाकर प्रामाणिक तथ्यों को स्वीकार करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलानुशासक शैलेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि तुलसीदास भारतीय संस्कृति के हंस हैं। उनका राष्ट्र धर्म, परिवार धर्म और विश्व धर्म के निर्वाह का संदेश शाश्वत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना के मार्गदर्शक एवं हिंदी परिवार इंदौर के संस्थापक हरेराम वाजपेयी ने कहा कि हमारे सारे प्रश्नों के उत्तर मानस के उत्तरकांड में मिलते हैं। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना के संरक्षक बीके शर्मा ने वर्तमान युग में नवयुवकों को तुलसी के युगबोध से जुड़ने की आवश्यकता बताई। भोपाल के पदमचंद गांधी ने मानस के माध्यम से पारिवारिक रिश्तों को सहेजने और यथार्थवादी जीवन जीने का मार्ग बताया।

चालीहा महोत्सव में भगवान झूलेलाल से मांगी विश्व शांति की मन्नत

राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के सहयोग से हुआ दो दिवसीय आयोजन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली के सहयोग से अब्दालपुरा स्थित संत लीलाशाह हायर सेकेंडरी स्कूल में दो दिवसीय चालीहा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 19 और 20 अगस्त को आयोजित इस धार्मिक आयोजन में समाजजनों ने भगवान झूलेलाल से विश्व शांति की प्रार्थना की। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसादी का वितरण किया गया।

आयोजन के दौरान भगवान झूलेलाल के लिए विशेष बहराना साहब, पल्लव, गणेश वंदना और महाआरती की गई। पंडित शोभा शर्मा और उनकी मंडली ने विशेष पल्लव महाआरती संपन्न कराई। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के साथ हुई। इसमें नन्हें स्कूली बच्चों के साथ समाज के गणमान्य नागरिकों ने 'जय झूलेलाल' और 'राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद अमर रहे' के जयकारे लगाए। भगवान झूलेलाल के पंजड़ों (भजनों) पर श्रद्धालु झूम उठे और सभी ने एकजुट होकर विश्व शांति की मन्नत मांगी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुरलीधर कोटवानी, राजकुमारी खेमचंदानी और वीर मामनानी उपस्थित थे। इस अवसर पर राजकुमारी खेमचंदानी ने श्रद्धालुओं को चालीहा का महत्व समझाया। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में भाई बंध पंचायत की सचिव नीतू बलवानी, सिम्मी वाधवानी और ओम अनिका संस्था की डायरेक्टर कशिश सीतलानी ने भी अपने विचार रखे।

राजाभाऊ महाकाल और अशोक सिंघल की याद में हरित अभियान

शहीदों की स्मृति में पर्यावरण प्रेमियों का अनूठा संकल्प, निजी खर्च पर रोपेंगे 501 पौधे

दानदाताओं के सहयोग से लग रहे 8 से 11 फीट ऊंचे पौधे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अनूठी पहल शुरू हुई है। पर्यावरण प्रेमी मंच और विश्व हिंदू परिषद सहित शहर की कई संस्थाओं ने अमर शहीद राजाभाऊ महाकाल और राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रणेता अशोक सिंघल सहित अन्य अमर शहीदों की स्मृति में 501 पौधे रोपने का संकल्प लिया है। इस अभियान की खास बात यह है कि इसके लिए किसी सरकारी मदद का इंतजार नहीं किया जा रहा है, बल्कि समाजसेवी और पर्यावरण प्रेमी स्वयं की प्रेरणा और खर्च पर 8 से 11 फीट ऊंचे पौधे लगा रहे हैं। एक पौधे पर करीब 300 से 500 रुपये का खर्च आ रहा है।

पर्यावरण प्रेमी मंच के संयोजक प्रकाश चित्तौड़ा, श्याम माहेश्वरी एवं अजीत मंगलम ने बताया कि शहर की अलग-अलग संस्थाएं लंबे समय से काम कर रही हैं। इनके सामूहिक प्रयासों से पूर्व में लगाए गए करीब एक लाख पौधे अब पेड़ का रूप ले चुके हैं। इसी कड़ी में वर्तमान संकल्प के तहत 12 अगस्त को हरियाली अमावस्या पर ग्राम रातड़िया स्थित गायत्री परिवार की गौशाला में 51 आम के पौधे रोपे गए। इसके पश्चात 16 अगस्त को सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय परिसर में 151 बड़े नीम के पौधे लगाए गए।

अभियान के तहत शासकीय नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालक आवासीय छात्रावास क्रमांक 2 दशहरा मैदान में विश्व हिंदू परिषद और पर्यावरण प्रेमी मंच द्वारा अशोक सिंघल की स्मृति में 51 पौधे रोपे गए। यहां प्रकाश चित्तौड़ा, श्याम माहेश्वरी, पेड़वाले बाबा, गायत्री परिवार के गोविंद पाटीदार और अनिल राजपुरोहित ने विधि-विधान से पौधों का पूजन किया। इस अवसर पर देवेंद्र परमार, अशोक मुंदड़ा, खेमजी भाई चंदन, रवि गुप्ता सहित विश्व हिंदू परिषद की मातृशक्ति से आशु नागर, अनिता गौड़, अनिता पंवार, ममता नागर, उषा वर्मा, सोना चौरसिया, रश्मि चौरसिया, रुचि चौहान, सरोज, रंजना और अनिता आदि उपस्थित थीं। इस पुनीत कार्य में शहर के कई लोग स्वेच्छा से पौधे दान कर रहे हैं। 151 पौधों के लिए शिवा ओमप्रकाश खत्री ने स्वीकृति दी है। 51 पौधों के लिए आयुष अग्रवाल और मध्य प्रदेश केमिस्ट एसोसिएशन के गौतम धींग ने सहयोग किया।

गुजरात में 09 मौतों और दर्जनों लोगों के बीमार होने के बाद उज्जैन कांग्रेस ने उठाए तीखे सवाल

जहरीली शराब कांड पर उज्जैन में कांग्रेस का हल्ला बोल, आबकारी कार्यालय का दो घंटे घेराव

वधायक और जिला अध्यक्ष महेश परमार बोले, उज्जैन से शराब गुजरात कैसे पहुंची?

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

गुजरात के भावनगर में कथित जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों के मामले ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। गुजरात पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शराब की 28 पेटियों की खेप मध्य प्रदेश के उज्जैन से भावनगर पहुंची थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस घटना में अब तक 09 लोगों की मौत हुई है और बड़ी संख्या में लोग अस्पताल में भर्ती हैं। इसी मामले को लेकर कांग्रेस विधायक महेश परमार और शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को जिला आबकारी कार्यालय का घेराव किया और करीब दो घंटे तक धरना दिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने तख्तियां लेकर नारेबाजी की और ह्यरघुपति राघव राजा रामह्ण की धुन गाते हुए शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आबकारी अधिकारियों द्वारा कांग्रेस द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच कराने और जांच रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध करवाने के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ।

धरने को संबोधित करते हुए विधायक महेश परमार ने कहा कि उज्जैन से गुजरात, 28 पेटियां, 9 मौतें और दर्जनों लोग गंभीर हैं। मुख्यमंत्री जी, आपके गृह नगर से शराब गुजरात कैसे पहुंची? नौ मौतों पर मौन नहीं, जवाब चाहिए। परमार ने कहा कि सवाल सिर्फ गुजरात में हुई मौतों का नहीं है, बल्कि उस पूरे तंत्र का है जिसके जरिए शराब उत्पादन से लेकर उसकी बिक्री तक निगरानी और ट्रैकिंग का दावा किया जाता है। यदि गुजरात पुलिस की प्रारंभिक जांच में उज्जैन से खेप पहुंचने की बात सामने आई है, तो मध्य प्रदेश की पुलिस और आबकारी विभाग को बताना होगा कि यह खेप उज्जैन में कहां से आई, किसने भेजी, किस वाहन से रवाना हुई, रास्ते में किन स्थानों से गुजरी और गुजरात में इसे किस नेटवर्क ने हासिल किया। तराना विधायक ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में पनीर, दूध, मावा, दवाइयां, पानी और अब शराब तक की गुणवत्ता और शुद्धता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार के समय शुरू किए गए ह्यशुद्ध के लिए युद्धह्ण अभियान का संदर्भ देते हुए सरकार से पूछा कि आज नकली और मिलावटी सामग्री के खिलाफ उसी स्तर की कार्रवाई क्यों दिखाई नहीं देती। परमार ने कहा कि महाकाल की नगरी की पहचान धार्मिक आस्था और पवित्रता से है। ऐसे में यदि इसी शहर से कथित तौर पर नकली शराब की खेप दूसरे राज्य तक पहुंच रही है तो यह केवल कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं, बल्कि उज्जैन की साख से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।

राजीव गांधी जयंती पर सद्भावना दौड़, नेपाल में मेडल जीतने वाली प्रतिभाओं को मिला अवॉर्ड

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर गुरुवार को देव जनजागरण विकास समिति और जिला युवक कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में सद्भावना दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ सुबह 10 बजे फ्रीगंज स्थित शहीद पार्क से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कांग्रेस कार्यालय पर संपन्न हुई। इस दौरान खेल और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को राजीव गांधी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम संयोजक देवव्रत यादव ने बताया कि दौड़ शहीद पार्क से शुरू होकर घंटाघर, ग्रांड होटल, चामुंडा माता मंदिर चौराहा, देवास गेट, मालीपुरा, दौलतगंज, फव्वारा चौक, नई सड़क होते हुए कांग्रेस कार्यालय क्षीरसागर कुश्ती एरीना पहुंची। यहां राष्ट्रगान के साथ रैली का समापन हुआ और चंद्रभान सिंह चंदेल ने सभी को सद्भावना की शपथ दिलाई। मार्ग में जगह-जगह मंच बनाकर स्कूली छात्र-छात्राओं ने रैली का स्वागत किया। रैली में मुख्य रूप से शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थी, सेवादल, खेलकूद और सामाजिक संस्थाओं के सदस्य शामिल हुए।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोहर बैरागी, तराना विधायक महेश परमार, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश भाटी और नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया। अतिथियों ने नेपाल में आयोजित बैडमिंटन ओपन टूर्नामेंट में मेडल प्राप्त करने वाली विधि शर्मा, चित्रांश सोनी और उत्कृषा, सेवादल के वरिष्ठ सदस्य पूरनलाल और फुटबॉल के स्टेट खिलाड़ी राजवीर सिंह जादव को राजीव गांधी अवॉर्ड से सम्मानित किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में आधुनिक भारत के निर्माण में राजीव गांधी के योगदान को याद किया।

उज्जैन
शुक्रवार
21
अगस्त, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

अथाहिंसा क्षमा सत्यं ह्रीश्रद्धेन्द्रिय संयमाः।
दानमिज्या तपो ध्यानं दशकं धर्म साधनम्।।
अर्थः अहिंसा, क्षमा, सत्य, लज्जा, श्रद्धा, इन्द्रियों पर नियंत्रण, दान, यज्ञ, तप और ध्यान- ये दस धर्मों के साधन हैं।

खबर एक नजर...

सपोर्ट विंग्स और बाला ने चलाया ब्लीड विद प्राइड अभियान

इंदौर। मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने और इससे जुड़ी सामाजिक वर्जनाओं को दूर करने के उद्देश्य से सपोर्ट विंग्स ने बाला के सहयोग से नेहरू नगर क्षेत्र में ब्लीड विद प्राइड अभियान आयोजित किया। कार्यक्रम में स्कूल की छात्राओं और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं सहित 170 से अधिक लाभार्थियों ने भाग लिया। 10 स्वयंसेवकों की टीम ने प्रतिभागियों को मासिक धर्म स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। बाला की ओर से पुनः उपयोग किए जा सकने वाले सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए, जिससे पर्यावरण के अनुकूल विकल्प को बढ़ावा मिला। आयोजकों ने कहा कि खुली बातचीत और सही जानकारी के माध्यम से मासिक धर्म से जुड़े संकोच और भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

पत्नी-बेटी की हत्या, खुद भी करना चाहता था सुसाइड

इंदौर। कनाड़िया स्थित झालरिया क्षेत्र में सोमवार रात पत्नी अनीता और बेटी माही की हत्या करने वाले आरोपी सुनील चौहान ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह पत्नी की हत्या के बाद खुद भी सुसाइड करना चाहता था। उसे बच्चों के भविष्य की चिंता हुई और उसने सोचा कि उसके मरने के बाद बच्चों का क्या होगा। इसके बाद उसने दोनों बच्चों को भी मारने की योजना बना ली। सुनील ने बेटे अजय पर भी जानलेवा हमला किया, लेकिन वह बच गया। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक, सुनील अपनी पत्नी अनीता के चरित्र पर शंका करता था। पूछताछ में उसने दावा किया कि उसे लगता था कि दोनों बच्चे उसके नहीं हैं और गांव का एक युवक अक्सर अनीता से मिलने घर आता था। सुनील ने पुलिस को बताया कि इसी शंका के चलते उसने पहले पत्नी और फिर दोनों बच्चों को मारने की योजना बनाई। इसके बाद खुद भी जान देने का इरादा था। अनीता के चचेरे भाई बबलू मसौरे ने बताया कि सुनील काफी शकी मिजाज का था। वह अनीता को आसपास के लोगों से बात तक नहीं करने देता था। बबलू के मुताबिक, वह अनीता से राखी बंधवाने उसके घर जाता था। इस दौरान भी सुनील उससे विवाद करता था। अनीता को लेकर उसने बबलू से मारपीट भी की थी, जिसके बाद उसने सुनील के घर जाना बंद कर दिया।

इंदौर के भागीरथपुरा दूषित पानी कांड की जांच पूरी

इंदौर। 36 मौतों से देशभर में सुर्खियों में आए इंदौर के भागीरथपुरा दूषित पानी कांड की जांच पूरी हो गई है। रिटायर्ड जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता के नेतृत्व वाले जांच आयोग ने 600 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट तैयार कर हाई कोर्ट में सीलबंद लिफाफे में जमा कर दी है। अब 25 अगस्त को सुनवाई संभावित है। इसमें रिपोर्ट खुलने के बाद सामने आएगा कि आखिर इस त्रासदी के लिए कौन जिम्मेदार था। भागीरथपुरा का दूषित पानी कांड केवल इंदौर या मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं रहा था। 36 लोगों की मौत और सैकड़ों लोगों के बीमार पड़ने के बाद इस घटना ने पूरे देश का ध्यान खींचा था। मामला इतना गंभीर था कि इस पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी हुए और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठे। अब इस मामले में करीब आठ महीने से चल रही जांच का अहम पड़ाव आ गया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच के निर्देश पर गठित एक सदस्यीय जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है। 600 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट हाई कोर्ट में सीलबंद लिफाफे में जमा हो चुकी है। रिपोर्ट में क्या सामने आया, दूषित पानी की वजह क्या थी, कितनी मौतों को पानी से जोड़कर देखा गया और प्रशासनिक स्तर पर किसकी जिम्मेदारी तय की गई है, इन सवालों के जवाब अब हाई कोर्ट की सुनवाई में सामने आ सकते हैं।

इंदौर में फिर गैस लीकेज, अवंतिका का मॉकड्रिल

इंदौर। राजीव गांधी चौराहे पर गुरुवार को अचानक ट्रैफिक रोक दिया गया। सड़क पर गैस लीकेज के बाद आग लगने की सूचना से मौके पर अफरा-तफरी जैसा माहौल बना। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत एक्टिव हुईं और करीब 10 मिनट तक ट्रैफिक रोककर आग बुझाने की कार्रवाई की गई। यह कोई वास्तविक हादसा नहीं, बल्कि आवंतिका गैस लिमिटेड का लेवल-3 मॉकड्रिल था। मॉकड्रिल में आवंतिका गैस के गैस वितरण वाहन से गैस रिसाव के बाद आग लगने का पूरा परिदृश्य तैयार किया गया। सूचना मिलते ही 10 मिनट के भीतर कंपनी की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम मौके पर पहुंची। इलाके को सुरक्षित किया गया और गैस रिसाव तथा आग पर काबू पाने की प्रक्रिया शुरू की गई। मॉकड्रिल में गेल (इंडिया) लिमिटेड, गुजरात एनर्जी लिमिटेड और नावरिया गैस प्राइवेट लिमिटेड ने म्यूचुअल एड पार्टनर्स के रूप में हिस्सा लिया। सभी टीमों ने आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया और समन्वय का अभ्यास किया। मॉकड्रिल के दौरान राजीव गांधी चौराहे के आसपास यातायात को कुछ समय के लिए रोका गया, ताकि आपातकालीन टीमें सुरक्षित तरीके से कार्रवाई कर सकें। पुलिस और ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर व्यवस्था संभाली, जबकि नगर निगम की फायर ब्रिगेड टीम ने आग बुझाने की प्रक्रिया का अभ्यास किया। अभ्यास का उद्देश्य यह देखना था कि गैस से जुड़ी आपात स्थिति में अलग-अलग एजेंसियां कितनी तेजी से मौके पर पहुंचती हैं और आपस में किस तरह समन्वय कर कार्रवाई करती हैं। आवंतिका गैस लिमिटेड के अधिकारियों सौरभ एदलाबादकर, जितेन्द्र भट्ट और इंद्रेश दुबे ने मॉकड्रिल का निरीक्षण किया।

इंदौर में ट्रांसप्लांट करवाना पड़ा, एक्सपर्ट बोले-डॉक्टर की सलाह के बिना दवा लेने से नुकसान

एक महीने में 13 बार पेनकिलर खाई, दोनों किडनियां खराब

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

बुखार, सिर या शरीर में दर्द हुआ तो पास के मेडिकल स्टोर से पेनकिलर दवा लेकर खा ली। दर्द कम हो गया तो मान लिया कि सेहत सुधर गई। आजकल ये आम हो गया है लेकिन 31 वर्षीय नंदराम को ऐसा करना भारी पड़ गया।

अहमदाबाद में काम के दौरान बुखार और हाथ-पैर में दर्द होने पर उसने डॉक्टर से सलाह लेने के बजाय दुकान से लेकर पेनकिलर खा ली। एक महीने में उसने करीब 13 बार ऐसा किया। हर बार दो दिन तक आराम मिलता, लेकिन दर्द और बुखार लौटते ही वह फिर दवा ले लेता। कुछ समय बाद पेट में दर्द शुरू हो गया। जांच में पता चला कि उसकी दोनों किडनियां खराब हो चुकी हैं।

दर्द की दवा से कैसे खराब हुई किडनी?

सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. रितेश कुमार बनोदे ने कहा- कुछ दर्द निवारक दवाओं का बार-बार या लंबे समय तक सेवन किडनी के लिए नुकसानदायक हो सकता है। खासकर बिना डॉक्टर की सलाह के दवा लेने पर जोखिम बढ़ जाता है। पेनकिलर किडनी में रक्त का प्रवाह बनाए रखने वाले प्रोस्टाग्लैंडिन के प्रभाव को कम कर सकती हैं। इससे कुछ परिस्थितियों में एक्यूट किडनी इंजरी का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि, एक-दो बार पेनकिलर लेने से हर व्यक्ति की किडनी खराब नहीं होती। खतरा दवा के प्रकार, उसकी मात्रा, कितनी बार, कितने समय तक ली गई और व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करता है। डिहाइड्रेशन, पहले से किडनी की बीमारी, बढ़ती उम्र या कुछ अन्य दवाओं के साथ इनका इस्तेमाल जोखिम बढ़ा सकता है।

ललितपुर जिले के तुर्का गांव निवासी नंदराम इसके बाद दिल्ली, भोपाल और अहमदाबाद में इलाज कराता रहा। हालत बिगड़ने पर उसे नियमित डायलिसिस की जरूरत पड़ने लगी। करीब एक साल तक डायलिसिस के बाद आखिरकार इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में उसका किडनी ट्रांसप्लांट किया गया।

4 अगस्त को उसकी मां भगवती ने अपनी किडनी देकर नंदराम को नई जिंदगी दी। ट्रांसप्लांट आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त हुआ। फिलहाल, नंदराम की हालत स्थिर है और नई किडनी सामान्य रूप से काम कर रही है।

दर्द बार-बार हो तो दवा नहीं, कारण तलाशें

डॉ. बनोदे ने बताया कि बुखार, शरीर में दर्द या कोई अन्य तकलीफ होने पर हर बार मेडिकल स्टोर से दवा लेकर लक्षण दबाना सही तरीका नहीं है। इसके पीछे संक्रमण, सूजन या दूसरी बीमारी हो सकती है। समस्या का कारण पता लगाकर उसका इलाज जरूरी है। उन्होंने सलाह दी कि पेनकिलर लेने की जरूरत हो तो डॉक्टर से दवा, सही खुराक और कितने दिन तक लेनी है, यह जरूर पूछें। बीमारी या डिहाइड्रेशन की स्थिति में पर्याप्त पानी पीना और लंबे समय तक दर्द की दवा लेने से बचना भी जरूरी है।

इंदौर के एमजीएम अस्पताल में अब तक 8 किडनी ट्रांसप्लांट

इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में अब तक 8 किडनी ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं। सभी ट्रांसप्लांट आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त हुए हैं। 7 मामलों में मां ने अपने बच्चों को किडनी दान की है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने कहा कि अस्पताल में मरीजों को समय पर उपचार, जरूरी दवाइयां और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर लगातार काम किया जा रहा है।

पेनकिलर के बाद डायलिसिस पर पहुंचे जितेंद्र

इंदौर के एमवाय अस्पताल में डायलिसिस करा रहे 37 वर्षीय जितेंद्र कुमार की कहानी भी ऐसी ही है। अशोक नगर निवासी जितेंद्र इलेक्ट्रिशियन का काम करते थे। काम के दौरान होने वाली थकान और शरीर के दर्द से राहत के लिए उन्होंने पेनकिलर लेना शुरू किया। करीब एक महीने तक लगातार दवा लेने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। जितेंद्र ने बताया कि वर्ष 2021 से उनकी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी बढ़ी और जांच में दोनों किडनी खराब होने की जानकारी मिली। अब वह पिछले चार साल से डायलिसिस पर हैं और सप्ताह में तीन दिन अस्पताल जाना पड़ता है।

इंदौर के सयाजी होटल के किचन में मिलीं कई खामियां

66 किलो नॉनवेज बिना पैकिंग, मूंगफली में फंगस, चूहे और कॉकरोच भी मिले

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

खाद्य विभाग की टीम ने गुरुवार को सयाजी होटल का निरीक्षण किया। इस दौरान किचन और स्टोरेज एरिया में खाद्य सामग्री के रखरखाव, तापमान, लेबलिंग, साफ-सफाई और लाइसेंस से जुड़ी कई अनियमितताएं सामने आईं। टीम को करीब 66 किलो नॉनवेज खाद्य सामग्री बिना पैकिंग के मिली। कोल्ड स्टोरेज में वेज और नॉनवेज सामग्री एक साथ रखी थी। सी-फूड, चिकन और मटन के लिए अलग-अलग स्टोरेज की व्यवस्था भी नहीं मिली।

निरीक्षण में खाद्य सामग्री के निर्धारित तापमान का उचित रखरखाव नहीं पाया गया। पैक्ड कुल्फी पर मैन्युफैक्चरिंग डेट, एक्सपायरी डेट और बैच नंबर दर्ज नहीं थे। वहीं फ्रोजन डेजर्ट को मेन्यू में आइसक्रीम के नाम से दर्शाया गया था।

मूंगफली में फंगस, सड़े टमाटर-आलू भी मिले- खाद्य विभाग की टीम को स्टोर में मूंगफली में फंगस मिला। इसके अलावा सड़े हुए टमाटर और आलू भी रखे मिले। कई खाद्य उत्पाद उचित लेबल के बिना स्टोर किए गए थे। टॉपिंग के कुछ टेट्रापैक लीक मिले, जिससे खाद्य सामग्री के दूषित होने की आशंका सामने आई।

किचन परिसर में कॉकरोच और चूहों की लीद भी मिली। निरीक्षण के दौरान टीम को चूहे दिखाई दिए, जबकि पैलेट के नीचे भी उनकी मौजूदगी के संकेत मिले। ड्राई स्टोरेज की दीवार और फर्श में दरारें पाई गईं। गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग व्यवस्था भी नहीं थी।

पनीर, नॉनवेज और ड्राई फ्रूट्स के सैंपल लिए- टीम ने पनीर, कच्चे नॉनवेज, पैक्ड पनीर, सौंफ और ड्राई फ्रूट्स समेत अन्य खाद्य सामग्री के सैंपल लिए हैं। इनकी जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लाइसेंस में नॉनवेज, बेकरी और स्वीट्स का उल्लेख नहीं

निरीक्षण में होटल के लाइसेंस से जुड़ी अनियमितताएं भी सामने आईं। लाइसेंस में नॉनवेज गतिविधि दर्ज नहीं थी, जबकि मौके पर नॉनवेज खाद्य सामग्री का इस्तेमाल पाया गया। इसी तरह बेकरी और स्वीट्स का उल्लेख भी लाइसेंस में नहीं था, जबकि होटल में इन-हाउस बेकरी और मिठाइयों का निर्माण किया जा रहा था। फाइव स्टार होटल के सेंट्रल लाइसेंस को लेकर भी खाद्य विभाग की टीम ने आपत्ति दर्ज की है।

इंदौर में राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के जज करेंगे मूल्यांकन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

शहर में राज्य स्तरीय लक्ष्य मंथन योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 2 लाख रुपए से अधिक के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्णयन का अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ प्रतिभागियों का मूल्यांकन करेंगे। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा योग प्रतिभाओं को मंच देना और योगासन खेल को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना है।

डॉ. प्रमोद नन्दवाल ने बताया कि प्रतियोगिता तीन चरणों में होगी। पहला और दूसरा क्वालिफाइंग राउंड 30 अगस्त और 6 सितंबर को सेंट अर्नोल्ड हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित होंगे। दोनों चरणों से चयनित प्रतिभागी 12 सितंबर को बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स, इंदौर में होने वाले फाइनल राउंड में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के स्कूलों, योग महाविद्यालयों, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्रों और योग संस्थानों के प्रतिभागियों के साथ स्वतंत्र योग साधक भी शामिल हो सकेंगे।

दो आयु वर्ग में होगी प्रतियोगिता- प्रतियोगिता 8 से 14 वर्ष और 14 से 20 वर्ष के दो आयु वर्गों में होगी। बालक और बालिका वर्ग अलग-अलग रहेंगे। इसके अलावा 20 वर्ष से अधिक आयु के योग साधकों के लिए भी दो प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। व्यक्तिगत योग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार कठिन आसनों और तय पाठ्यक्रम में शामिल आसनों का प्रदर्शन करना होगा। दूसरी श्रेणी में दो प्रतिभागियों की जोड़ी संगीत की धुन पर निर्धारित नियमों और आपसी तालमेल के साथ योगासन प्रस्तुत करेगी।

इंदौर में अब 48 घंटे में मिलेगा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, जोन कार्यालय से जारी होगा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर में अब आम लोगों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बार-बार नगर निगम के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। नई व्यवस्था के तहत जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधित जोन कार्यालयों से जारी किए जाएंगे और नागरिकों को 48 घंटे के भीतर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर यह व्यवस्था लागू की गई है। निगम मुख्यालय से जारी होने वाले प्रमाण पत्र अब जोन क्रमांक 1 से 22 के माध्यम से जारी किए जाएंगे। सभी जोन कार्यालयों को आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जोन क्षेत्र के निजी अस्पतालों और मुक्तिधाम/कब्रिस्तान से जन्म-मृत्यु की सूचना मिलते ही सीआरएस पोर्टल पर उसकी प्रविष्टि और अनुमोदन की प्रक्रिया यथासंभव उसी दिन पूरी की जाएगी। अनुमोदन के बाद संबंधित परिजन के मोबाइल नंबर पर जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र की पीडीएफ भेजी जाएगी। इसके लिए जोन क्षेत्र के सभी निजी अस्पतालों को जन्म-मृत्यु से संबंधित डेटा प्रतिदिन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएंगे। संबंधित कर्मचारियों को भी अस्पतालों से रोजाना जानकारी प्राप्त करनी होगी।

ऑफलाइन आवेदन ऐसे करें- जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए ऑफलाइन आवेदन मिलने पर उसे कार्यालय की आवक में दर्ज कर आवेदक को आवक क्रमांक और तारीख दी जाएगी। इसके बाद कंप्यूटर ऑपरेटर इंदौर 311 एप के माध्यम से आवेदन की ऑनलाइन प्रविष्टि करेगा। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र में संशोधन के लिए प्राप्त आवेदनों के साथ संलग्न दस्तावेजों की जांच कर यथासंभव 24 घंटे के भीतर आवश्यक सुधार किया जाएगा। पेड़-पौधों को नया जीवन देने के उद्देश्य से नगर निगम ने एक और पहल शुरू की है।

इंदौर में ध्वनि प्रदूषण पर हाईकोर्ट सख्त : सरकार को आखिरी मौका

जवाब नहीं दिया तो कलेक्टर को खुद कोर्ट में होना पड़ेगा पेश

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण और शोर नियंत्रण के नियमों के पालन को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। तय समय में जवाब पेश नहीं होने पर जिला दंडाधिकारी (कलेक्टर) को स्वयं हाईकोर्ट में उपस्थित होकर ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए अब तक की गई कार्रवाई और आगे की कार्ययोजना की जानकारी देनी होगी।

जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस आलोक अवस्थी की डबल बेंच ने अमिताभ उपाध्याय एवं अन्य विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य मामले की सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिए। सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए फिर समय मांगा गया। कोर्ट ने समय देते हुए इसे अंतिम अवसर बताया।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निर्धारित अवधि में जवाब नहीं आने पर जिला दंडाधिकारी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर याचिका में उठाए गए ध्वनि प्रदूषण से जुड़े मुद्दों पर प्रशासन की अब तक की कार्रवाई और भविष्य की योजना बतानी होगी।

2025-26 में हुई कार्रवाई की रिपोर्ट भी मांगी- हाईकोर्ट ने इंदौर जिला कोर्ट से वर्ष 2025-26 के दौरान मप्र कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 के तहत हुई कार्रवाई की रिपोर्ट भी मांगी है। इसमें ध्वनि प्रदूषण से जुड़े मामलों में संबंधित मजिस्ट्रेट द्वारा लगाए गए जुमानें और सुनाई गई सजाओं की जानकारी शामिल होगी। इससे यह सामने आएगा कि नियमों के उल्लंघन पर प्रशासन और न्यायिक स्तर पर कितनी कार्रवाई हुई। कितने लोगों पर जुमार्ना लगाया गया और कितने मामलों में सजा हुई, इसका भी रिकॉर्ड कोर्ट के सामने रखा जाएगा।

---

12 साल पहले 5.60 करोड़ की लागत से बनी नई बिल्डिंग में अंदर-बाहर का प्लास्टर उखड़ने लगा, सुभाष स्कूल का कैंपस बना डंपिंग यार्ड

साढ़े 5 करोड़ की बिल्डिंग जर्जर, परिसर में निगम का कब्जा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

सरकारी स्कूल और उसके परिसर की दुर्दशा देखनी हो, तो बड़ा गणपति स्थित शासकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की इमारत इसका उदाहरण है। महज 12 साल पहले 5.60 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस नई बिल्डिंग में अंदर-बाहर का प्लास्टर उखड़ने लगा है। कर्मचारियों का कहना है कि निर्माण के समय से ही छतों से पानी टपकने की समस्या बनी हुई है, जो अब काफी बढ़ गई है।

दूसरी बड़ी मार यह है कि स्कूल के दूसरे गेट के पास नगर निगम का अघोषित कब्जा है, जिसे मटेरियल यार्ड बना दिया गया है। यहां डंपरों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से दिनभर गिट्टी-रेत पटकी और उठाई जाती है। इसी परिसर के ग्राउंड फ्लोर पर जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) का कार्यालय भी संचालित है, फिर भी कार्रवाई के डर से कोई जिम्मेदार बोलने को तैयार नहीं है।

इमारत से सटा हुआ नगर निगम का वर्कशॉप है। बाउंड्रीवॉल के बाहर निगम के वाहनों के साथ-साथ अन्य अवैध गाड़ियां भी कतार से खड़ी रहती हैं। स्थिति यह है कि मुख्य द्वार को छोड़कर स्कूल का पूरा बाहरी हिस्सा पार्किंग स्टैंड में तब्दील हो चुका है।

बिल्डिंग की समस्याओं के निराकरण के लिए मैं खुद अधिकारियों के साथ मौके पर जाऊंगा। छतों की तत्काल रिपेयरिंग कराई जाएगी और परिसर में रखा नगर निगम का मटेरियल दूसरी जगह शिफ्ट करवाएंगे। बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी। इससे पहले ड्रेनेज और वॉशरूम की समस्या हल करवा दी गई थी।

- नंदकिशोर पहाड़िया, एमआईसी मेंबर

स्कूल में परेशानी तो है। इसका सामना हम भी कर रहे हैं, क्योंकि इसी स्कूल परिसर में डीईओ ऑफिस भी संचालित होता है। जो भी समस्या है, उसका जल्द निराकरण करेंगे। निगम का कब्जा कितने हिस्से में है, वह भी दिखवाएंगे।

- शौर्य मल्होत्रा, जिला शिक्षा अधिकारी

क्लास रूम की खिड़की से दिखता है मिट्टी का ढेर, दिनभर शोर से पढ़ाई प्रभावित

ग्राउंड फ्लोर की कक्षाओं में जब शिक्षक पढ़ा रहे होते हैं, ठीक उसी वक्त बाहर भारी वाहनों से मटेरियल खाली या लोड किया जा रहा होता है। छात्र का कहना है, खिड़की से बाहर सिर्फ मटेरियल का ढेर और आते-जाते डंपर दिखते हैं। हर दूसरे दिन यही स्थिति रहती है। वहीं शिक्षकों ने कहा, वाहनों की आवाजाही से दिनभर शोर होता है, जिससे पढ़ाई बाधित हो रही है। कर्मचारियों का कहना है कि मटेरियल वाले हिस्से को देखना भी मुमकिन नहीं है, लेकिन जरा सा बोलने पर उल्टी कार्रवाई का डर रहता है।

बदहाली के कारण 4 साल में 66% घटे छात्र

- **स्थापना व शिफ्टिंग :** 1976 में स्थापित इस स्कूल में पहले प्राइमरी, मिडिल और हाईस्कूल अलग-अलग चलते थे। नगर निगम की शिक्षण समिति द्वारा 5.60 करोड़ रुपए की लागत से बनी नई इमारत में सत्र 2013-14 से सभी कक्षाएं एक ही छत के नीचे लगने लगीं।
- **छात्रों की संख्या :** अव्यवस्थाओं और जर्जर भवन के चलते करीब 4 साल पहले दर्ज 1200 छात्रों की संख्या घटकर अब महज 400 रह गई है।

श्वेता तिवारी ने ड्रिंक ऑर्डर की, डिलीवरी में आया कॉकरोच

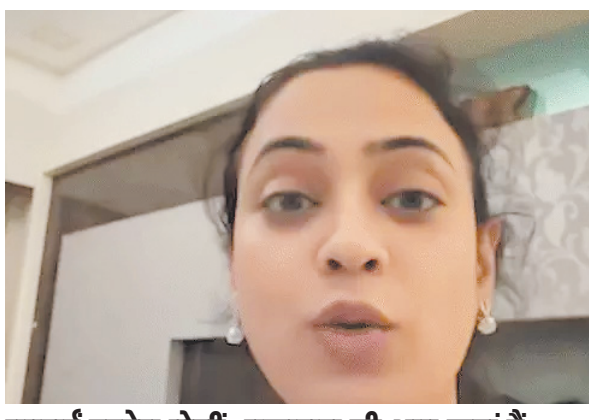

घबराईं एक्ट्रेस बोलीं- तुकाराम जी आप कहां हैं; कॉकरोच जनता पार्टी का किया था जमकर विरोध

श्वेता तिवारी ने हाल ही में ऑनलाइन एनर्जी ड्रिंक ऑर्डर की थी। जब ऑर्डर खोला गया, तो उसमें कॉकरोच मिलने से एक्ट्रेस घबरा गईं। एक्ट्रेस ने वीडियो जारी कर महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी कार्रवाई से चर्चा में बने हुए FDA ऑफिसर तुकाराम मुंढे से सवाल किया है। साथ ही एक तस्वीर के जरिए उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी पर भी तंज कसा, जिनके प्रोटेस्ट का एक्ट्रेस ने जमकर विरोध किया था। ऑफिशियल इंस्टाग्राम से शेयर किए गए वीडियो में श्वेता तिवारी ने कहा, हमने इंस्टामार्ट से रेडबुल मंगवाया। लेकिन इंस्टामार्ट से हमारे घर में ये (कॉकरोच) भी आया। कॉकरोच पूरे घर में भाग रहा है।

दूसरे वीडियो में श्वेता ने कॉकरोच दिखाया और कहा, क्या हमें तुकाराम मुंढे जी को टैग करना चाहिए। मुंढे जी ये हमारे घर में इंस्टामार्ट से कॉकरोच आ रहे हैं। आप कहां हैं, ध्यान दीजिए।

श्वेता तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी पर कसा तंज?

श्वेता तिवारी के इस वीडियो को कॉकरोच जनता पार्टी से जोड़ा रहा है। इसके प्रोटेस्ट की श्वेता तिवारी ने कड़ी निंदा की थी। उनका मानना था कि ये पार्टी सोनम वांगचुक का इस्तेमाल कर रही है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा था, सोनम वांगचुक एक सच्चे और बेहद महत्वपूर्ण उद्देश्य के लिए लड़ रहे हैं, शिक्षा और हमारे बच्चों के भविष्य के लिए। उनका यह उद्देश्य ध्यान देने योग्य है और सरकार को उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए।

आगे एक्ट्रेस ने लिखा था, मैं साथ ही ये भी साफ करना चाहती हूं कि मैं कॉकरोच जनता पार्टी के साथ नहीं हूं और न ही उनका समर्थन करती हूं। जिस तरह से वे इस मुद्दे को संभाल रहे हैं, उससे मैं सहमत नहीं हूं। मुझे लगता है कि वे सोनम वांगचुक के आंदोलन का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कर रहे हैं। मैं इस तरीके का समर्थन नहीं करती।

ईशा ने सनी देओल के लिए खरीदी ढाई-किलो की राखी

अभिनेत्री ईशा देओल रक्षाबंधन के मौके पर एक डिलीवरी ऐप के विज्ञापन में नजर आई हैं। इसमें उन्होंने अपने भाई और अभिनेता सनी देओल की फिल्म 'दामिनी' के मशहूर डायलॉग 'ढाई किलो का हाथ' को रीक्रिएट किया है। वीडियो में ईशा इस डायलॉग में रक्षाबंधन का ट्विस्ट जोड़ते हुए भाई सनी के लिए 'ढाई किलो की राखी' मंगवाती दिख रही हैं। दामिनी' फिल्म के डायलॉग को रीक्रिएट किया विज्ञापन में ईशा देओल कहती नजर आती हैं कि जब भैया का ढाई किलो का हाथ उठता है तो सब तालियां बजाने लगते हैं। इसके बाद वे मजाकिया अंदाज में पूछती हैं कि यह हाथ इतना लेजेंड्री क्यों है। वीडियो में इस डायलॉग पर एक छोटा एक्सपेरिमेंट करके दिखाया गया है। इसके बाद ईशा डिलीवरी ऐप के जरिए अपने भाई सनी देओल के लिए खास 'ढाई किलो की राखी' मंगवाती हैं और उसे खुशी से दिखाती हैं।

हिंदू-मुस्लिम की सोच से बाहर आइए:कंगना रनोट ने शर्मिता टैगोर पर साधा निशाना

दिग्गज एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर की वंदे मातरम्‍ पर टिप्पणी के बाद कंगना रनौत ने प्रतिक्रिया दी है। शर्मिला टैगोर ने कहा था कि वंदे मातरम्‍ के कुछ हिस्से एक ईश्वर को मानने वाले लोगों की आस्था से मेल नहीं खा सकते। उन्होंने कहा कि गीत में कई देवताओं का जिक्र है। कंगना ने शर्मिला टैगोर के इंटरव्यू का वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया। उन्होंने लिखा, मैं खुश हूं कि शर्मिला जी ने वंदे मातरम्‍ को लेकर अपनी आपत्ति के बारे में बात की। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हैरान हूं कि कला और कविता को लेकर उनकी सोच इतनी छोटी और बनावटी कैसे हो सकती है।

कंगना ने आगे लिखा, किसी भी कविता या गीत में शब्द रूपक होते हैं। कवि या कलाकार मनचाहा असर पैदा करने के लिए हर तरह की कल्पना करता है और असंभव लगने वाली समानताएं खींचता है। विवेकानंद ने मशहूर तौर पर कहा था कि मुझे ऐसे युवा चाहिए, जो लोहे जैसे बने हों, जिनकी हड्डियां फौलाद की हों और जिनकी नसों में बिजली दौड़ती हो।

उन्होंने कहा, विवेकानंद मौसम का अनुमान नहीं बता रहे थे। वह केवल शक्ति को जगाने की मांग कर रहे थे। कृपया हिंदू-मुस्लिम सोच से बाहर आइए। आखिर में कंगना ने लिखा, भले ही हम एक ईश्वर में विश्वास करते हों, डॉक्टर भी ताकत को शक्ति कहते हैं। आइए, एक-दूसरे को अपनों की तरह अपनाएं। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और उस जोरदार गले

रेणुका शहाणे कास्टिंग काउच से जूझीं: हम आपके... के बाद फिल्में छोड़ीं

एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर वाली महिला का रोल किया

रेणुका शहाणे का नाम आते ही लोगों के जेहन में ह्यहम आपके हैं कौनह्न की संस्कारी भाभी पूजा और ह्यसुरभिह्न का सहज चेहरा उभरता है। लेकिन उनकी कहानी सिर्फ एक सुपरहिट फिल्म और लोकप्रिय टीवी शो तक सीमित नहीं है। मनोविज्ञान की पढ़ाई से लेकर थिएटर, टीवी, फिल्मों और निर्देशन तक रेणुका ने हर पड़ाव पर अपनी शर्तों पर काम किया।

सफलता के बाद भी उन्होंने लोकप्रियता के बजाय ऐसे किरदार चुने, जिनसे उन्हें कुछ नया सीखने को मिले। इसी सोच के कारण उन्होंने कई फिल्मी ऑफर्स ठुकराए और टीवी को प्राथमिकता दी। लेकिन टीवी पर उन्होंने एक ऐसा किरदार निभाया, जो दर्शकों के लिए चौंकाने वाला था। रेणुका ने साबित किया कि लोकप्रिय छवि के पीछे एक बहुआयामी अभिनेत्री भी मौजूद है। उनके लिए स्टारडम से ज्यादा जरूरी हमेशा अच्छा काम रहा।

मनोविज्ञान पढ़ रही थीं, लेकिन एक नाटक ने जिंदगी की दिशा बदल दी

7 अक्टूबर 1966 को मुंबई में जन्मीं रेणुका शहाणे ऐसे परिवार में पली-बढ़ीं, जहां कला और साहित्य का माहौल था। उनके पिता विजय कुमार शहाणे भारतीय नौसेना में अधिकारी थे, जबकि मां शांता गोखले जानी-मानी लेखिका, थिएटर से जुड़ी शख्सियत और फिल्म समीक्षक हैं। रेणुका के भाई गिरिश शहाणे भी लेखक और कला समीक्षक हैं। रेणुका शहाणे ने सेंट जेवियर्स कॉलेज से मनोविज्ञान की पढ़ाई की। कॉलेज के सेकंड ईयर में ह्यअंधेर नगरीह्न नाटक का मंचन होना था। नाटक में करीब 14 गाने थे और रेणुका संगीत मंडल का हिस्सा थीं। बैकग्राउंड वोकल्स के सिलसिले में वह नाटक की पूरी प्रक्रिया से जुड़ गईं। स्क्रिप्ट से स्टेज तक का सफर देखकर उन्हें थिएटर की ताकत महसूस हुई। वह कहती हैं, ह्लउस समय मैंने यह नहीं सोचा था कि मुझे अभिनेत्री बनना है, लेकिन यह जरूर तय किया कि मुझे थिएटर का हिस्सा बनना है।ह्व यहीं से उनके भीतर अभिनय के प्रति नया जुनून पैदा हुआ।

मां के दोस्त सत्यदेव दुबे ने पूछा- अभिनय करोगी? इस बार जवाब हां था

रेणुका की मां शांता गोखले के करीबी दोस्त और दिग्गज थिएटर निर्देशक सत्यदेव दुबे अक्सर उनके घर आते थे। वह रेणुका से बार-बार पूछते थे कि क्या वह अभिनय करेंगी। शुरूआत में वह पढ़ाई को प्राथमिकता देते हुए मना कर देती थीं। लेकिन ह्यअंधेर नगरीह्न के अनुभव के बाद उनका नजरिया बदल चुका था।

अगली बार सत्यदेव दुबे ने वही सवाल पूछा तो रेणुका ने हामी भर दी। इसके बाद उन्होंने उनके साथ वर्कशॉप्स कीं और मराठी थिएटर की संस्था ह्यअंतरनाट्यह्न के साथ एक्सपेरिमेंटल थिएटर किया। उन्होंने अभिनय के साथ सेट, मेकअप, कॉस्ट्यूम और लाइटिंग जैसे काम भी सीखे। यही उनकी असली ट्रेनिंग बनी।

थिएटर करते-करते रेणुका की मुलाकात उस दुनिया से हुई, जिसे वह शुरू में करियर नहीं मानती थीं। उन्होंने टीवी शो ह्यपीसी और मौसीह्न से स्क्रीन पर शुरूआत की और इसके बाद ह्यसर्कसह्न में काम किया। शाहरुख खान स्टारर ह्यसर्कसह्न उनके लिए निर्णायक मोड़ साबित हुआ। निर्देशक अजीज मिर्जा ने उन्हें अभिनय को गंभीरता से लेने की सलाह दी।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...

रंग भरकर चित्र बनाओ

जोक्स

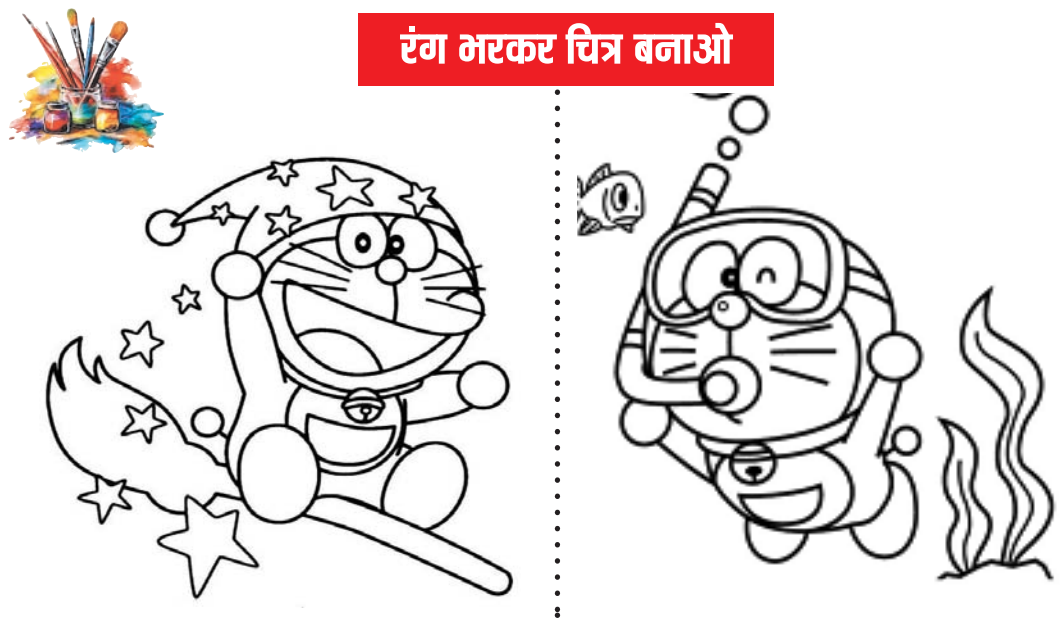

पत्नी (पति से) - कहां जा रहे हो...?
पति - मरने जा रहा हूं...!
पत्नी - साथ में थैली लेकर जाना...
पति - वो किसलिए...?
पत्नी - अगर इरादा बदल जाए, तो आते समय कुछ सब्जियां लेते आना...!

पत्नी (रोमांटिक अंदाज में) बोली - और तुमने शादी से पहले जो मेरी नींदें चुराई थी, मेरा दिल चुराया था, उनके बारे में क्या ख्याल है...?
पति - कह तो रहा हूं, जो चोरी करता है वो बाद में बहुत पछताता है...!

पति-पत्नी चोरी के बारे में बात कर रहे थे...
पति - जो चोरी करता है, वो बाद में बहुत पछताता है।

कभी भी अकेलेपन का अहसास सताए, तो भूत वाली मूवी देखो... कसम से कभी अकेलापन महसूस नहीं होगा, हर वक्त लगेगा कि कोई पीछे खड़ा है...!

वर्ग पहेली

बाएं से दाएं

1. कवि की रचना, गजल-3
3. अनुमान, अंदाज-3
5. सद्पुरुष-2
6. अयोग्य, असंगत-2
8. स्वार्थ, लोभ-4
10. सहयोग, सहकार-3
11. उन्माद, सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक, शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन, अशिष्टता-4
20. पैंदा, तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन, आर्ट-2
2. बल, दम, जोर-3
3. समीप, नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम, संदेह-3
7. उपनदी, कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख, सौ हजार-2
11. स्वभाव, आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब, शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा, लाइन-3
21. होठ, अधर-2
22. आगमन-2

माथा पच्ची

39		56		2		35	=	58
	■		■		■		■	
33		12		3		14	=	10
	■		■		■		■	
2		3		6		10	=	10
	■		■		■		■	
24		2		12		2	=	12
=	■	=	■	=	■	=	■	=
32		43		18		22	=	46 / 36

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क
बू	खु	क	दू	ई	जी	क	शि	या	ह	नी
त	पी	जा	स्ते	र	ग	वा	ल	ह	प	ल
र	ज	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म
ल	इ	वि	मो	ज	प	ला	शी	ह	जी	त
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	ति
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क
र	क	ल	श	रा	व	ज	जी	शा	जू	म
र	ज	ल	नो	मा	व	ति	का	री	टि	जो
बां	क	र	तू	त	च	ले	रा	क	म	र

शब्दजाल में 'क' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

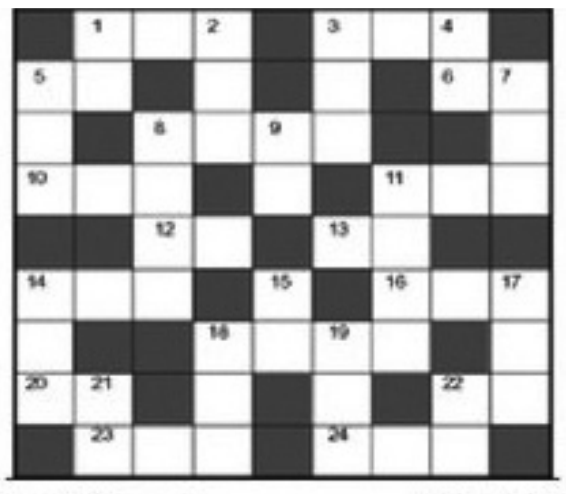

कबूतर, कमजोर, कलयुग, कलंक, कलश, कलाई, करामात, करतूत कर्म, कमर

अष्टयोग

		1		6		2
6	34		33		33	
5		3		7		4
1	22		35		34	
		5	6	2		3
3	30		37	5	33	
2		7			6	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

माथा पच्ची का हल

50	x	2	-	75	+	10	=	35
+	■	+	■	-	■	+	■	+
20	x	5	-	50	+	2	=	25
+	■	+	■	+	■	+	■	+
30	+	30	x	1	-	30	=	30
-	■	-	■	+	■	+	■	-
50	-	25	+	5	x	2	=	60
=	■	=	■	=	■	=	■	=
50	-	12	-	30	+	21	=	[illegible]

अष्टयोग का हल

5	6	7	1	2	3	4
2	33	1	34	6	30	5
3	5	4	6	7	1	2
4	36	2	32	1	23	6
7	6	5	4	3	2	1
6	36	6	34	4	31	3
1	2	3	4	5	6	7

शब्दजाल का हल

सूडोकु नवताल

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

पंजाब में झगड़े के बावजूद बदलाव नहीं करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में मचे घमासान के बीच पार्टी ने एक बार फिर दोहराया है कि प्रदेश कांग्रेस में कोई बदलाव नहीं होगा। पार्टी महासचिव और प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल ने कहा कि पंजाब में संगठन का सिर्फ विस्तार ही किया जाएगा। चुनाव से पहले संगठन को एकजुटता दिखाने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बस यात्रा को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। भूपेश बघेल ने कहा कि राहुल गांधी जल्द पंजाब का दौरा करेंगे। उनका दौरा अमृतसर से शुरू हो सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि राहुल गांधी दरबार साहब में मत्था टेकने के बाद पंजाब कांग्रेस के सभी नेताओं के साथ बस यात्रा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, यात्रा अमृतसर से शुरू होकर हुसैनीवाला तक 135 किलोमीटर की हो सकती है।

असम बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास पर चर्चा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के उपाय के लिए चर्चा की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने इस संकट से निपटने में पूरा सहयोग देने का वादा दोहराया। सरमा ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। वहीं, लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भी पीएम मोदी से विकास योजनाओं और बुनियादी ढांचे पर चर्चा की।

संदिग्ध गतिविधियों के बाद कठुआ में तलाशी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के सीमावर्ती इलाकों में संदिग्ध गतिविधि की सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने गुरुवार को तलाशी अभियान शुरू किया। यह अभियान बिलावर के जंगलों में उधमपुर-कठुआ सीमा के पास स्थित वन क्षेत्र में शुरू किया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, बुधवार देर रात बिलावर क्षेत्र के एक गांव में कुछ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर एक घर का दरवाजा खटखटाया। परिवार ने दरवाजा नहीं खोला, लेकिन अगले दिन उन्हें पता चला कि घर में रखा खाना गायब था।

वारंट के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगी महुआ मोइत्रा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि वह उनके खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को चुनौती देंगी। यह वारंट एक स्थानीय अदालत द्वारा नफरती भाषण के कथित मामले में जारी किया गया है। महुआ ने कहा, अदालत द्वारा यह वारंट भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 228 के तहत उनके द्वारा दायर छूट की अर्जी पर फैसला किए बिना जारी किया गया।

कोलकाता होटल अग्निकांड में पट्टाधारक गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता स्थित एक होटल में आग से नौ लोगों की मौत के बाद होटल के पट्टाधारक अबू जफर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, दो अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि होटल शिखा इन के पट्टाधारक अबू जफर को बुधवार रात गिरफ्तार किया गया। मृतकों में कई बांग्लादेशी नागरिक हैं।

अदालत के बाहर गैंगस्टर की गोली मारकर हत्या

हिसार। गैंगस्टर विनोद पन्नू उर्फ काना की गुरुवार दोपहर यहां जिला अदालत परिसर के मुख्य द्वार पर दो हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अदालत में सुनवाई के बाद पन्नू अपने साथियों के साथ परिसर से बाहर निकल रहा था, तभी उस पर हमला किया गया। दोनों हमलावरों ने अदालत के द्वार पर पन्नू को निशाना बनाया और ताबड़तोड़ करीब 10 गोलियां चलाईं। पुलिस के अनुसार, एक हमलावर को कुछ लोगों ने पकड़ लिया।

आत्महत्या की घटनाएं रोकने को कोर ग्रुप बनाया

नई दिल्ली। सीआरपीएफ ने अपने जवानों में आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए सीनियर अधिकारियों का 10 सदस्यों वाला एक कोर ग्रुप बनाया। सीआरपीएफ में 2025 में आत्महत्या के 59 मामले दर्ज किए गए। इस ग्रुप की अगुवाई सीआरपीएफ के महानिदेशक करेंगे और यह ग्रुप ऐसी घटनाओं की विस्तृत समीक्षा करने के लिए महीने में एक बार बैठक करेगा। आंकड़ों के अनुसार, 77 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में मौतें जवान ड्यूटी पर थे।

साईं बाबा से जुड़ी वीडियो हटाने पर विचार करे केंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार की शिकायत अपील समिति (जीएसी) को निर्देश दिया कि वह शिरडी साईं बाबा को निशाना बनाने वाले कथित रूप से भड़काऊ व आपत्तिजनक यूट्यूब वीडियो को हटाने की मांग वाली शिकायत पर विचार करे। पीठ ने केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, शिकायत अपील समिति व गूगल को नोटिस जारी कर इस संबंध में नया आवेदन दाखिल करने वाले श्री साईबाबा संस्थान न्यास शिरडी की याचिका पर जवाब मांगा है।

महिला पर्यटक की माफी, कहा- सेना का सम्मान करती हूं:

लद्दाख में रास्ता बंद होने पर कहा था- हम जेन जी हैं, बकवास बर्दाश्त नहीं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ लद्दाख

लद्दाख के करगिल जिले में रास्ता बंद होने पर सेना पर चिल्लाने वाली महिला ने गुरुवार को माफी मांग ली।

एनडीटीवी से बातचीत में उसने कहा कि, मैं सेना से माफी मांगती हूं। मेरा इरादा किसी का अपमान करने का नहीं था। दरअसल महिला पर्यटक का सुरक्षाबलों से बहस का वीडियो वायरल हुआ था। यह वीडियो 26 जुलाई का था।

वीडियो में महिला सेना के जवानों से पूछ रही है कि टूरिस्ट्स को क्यों रोका जा रहा है। सेना के जवानों को हमारे टैक्स से सैलरी मिलती है। हम जेन-जी हैं, इस बकवास को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मिजोरम के राज्यपाल और पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह- देश की रक्षा कर रहे जवानों को गलत तरीके से दोषी ठहराना या अपमानित करना सही नहीं है। आलोचना तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। पूर्व चिनार कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों- सैनिक वेतन मिलने से पहले ही टैक्स देते हैं। उन्होंने लोगों से जवानों का सम्मान करने और कानून का पालन करने की अपील की। पूर्व चिनार कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सतीश दुआ- सेना की सैलरी को लेकर की गई टिप्पणी सैनिकों के बलिदान को कमतर दिखाती है। जवान भी टैक्स देते हैं और लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां सुरक्षा संवेदनशीलता है। जम्मू-कश्मीर के उट उमर अब्दुल्ला ने जेन-जी को धमकी के तौर पर इस्तेमाल करने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि किसी कथित अपमान पर पूरी पीढ़ी की पहचान को धमकी की तरह इस्तेमाल करने से जेन-जी की छवि खराब होती है। मिनामार्ग के पास संवेदनशील और ऊंचाई वाला इलाका है।

ऐसे क्षेत्रों में सुरक्षा कारणों से सड़क बंद करना, घेराबंदी करना या वाहनों की आवाजाही को कुछ समय के लिए नियंत्रित करना सामान्य सुरक्षा प्रक्रिया का हिस्सा है। इस तरह की पाबंदियां इंटेलिजेंस इनपुट, सर्च ऑपरेशन, मौसम, लैंडस्लाइड या सैन्य काफिले की सुरक्षित आवाजाही के कारण लगाई जाती हैं।

टैक्सी चालकों को मराठी की परीक्षा देनी पड़ रही

वाक्यों को मराठी में प्रयोग करने की क्षमता जांची जा रही

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने मोटर वाहन नियमों के तहत ऑटो, टैक्सी और कैब चालकों के लिए मराठी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान अनिवार्य कर दिया है।

तय डेडलाइन समाप्त होने के बाद परिवहन विभाग और आरटीओ ने जांच अभियान शुरू कर दिया है, जिससे परीक्षा या परीक्षण में असफल रहने वालों पर लाइसेंस सस्पेंशन का संकट आ गया है। राज्यभर में आरटीओ की टीमें चालकों से मराठी भाषा से जुड़े 16 सवाल पूछ रही हैं। संतोषजनक जवाब नहीं देने वाले चालकों को एक महीने का नोटिस दिया जा रहा है।

अगर, एक महीने बाद दोबारा जांच में भी चालक संतोषजनक प्रदर्शन नहीं कर पाता है तो उसका बैज तीन महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है। इसके बाद उसे फिर से मराठी सीखने के लिए एक महीने का समय दिया जाएगा। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि गुरुवार को राज्यव्यापी जांच के पहले दिन मराठी भाषा का ज्ञान न होने पर 1,268 ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों को नोटिस जारी किए गए।

कब-कब क्या हुआ

अप्रैल 2026: महाराष्ट्र सरकार ने मोटर वाहन नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा। इसमें सार्वजनिक सेवा वाहन चलाने की अनुमति को चालक के लिए मराठी भाषा का ज्ञान जरूरी हो।

जून 2026: सरकार ने ऑटो, टैक्सी और ऐप आधारित कैब चालकों के लाइसेंस, बैज और परमिट से मराठी के कामकाजी ज्ञान की शर्त जोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाया।

प्रशिक्षण अभियान: सरकार की ओर से चालकों के लिए मराठी सीखने का अभियान चलाया गया। इसमें 1.65 लाख चालकों को प्रशिक्षण और प्रमाणपत्र दिए गए।

12 अगस्त 2026: महाराष्ट्र मोटर वाहन नियमों में संशोधन को प्रभावी किया गया। इसके बाद ऑटो, टैक्सी और ऐप-आधारित कैब समेत व्यावसायिक यात्री वाहन चालकों के लिए मराठी का ज्ञान अनिवार्य हो गया।

नियमों में किया संशोधन

यह कदम राज्य सरकार के उस फैसले के बाद उठाया गया है, जिसमें महाराष्ट्र में टैक्सी और ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों के लिए मराठी का कामकाजी ज्ञान होना अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य सरकार ने हाल ही में इस नियम को लागू करने के लिए ह्यमहाराष्ट्र मोटर वाहन नियम, 1989ह्णमें संशोधन किया है।

राज्य सरकार के पास है कानूनी अधिकार केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम के तहत राज्यों को स्थानीय परिस्थितियों और यात्रियों की सुविधा के अनुसार ड्राइविंग लाइसेंस व परमिट शर्तों में स्थानीय भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को शामिल करने का अधिकार होता है। वाक्यों को मराठी में प्रयोग करने की क्षमता जांची जा रही।

आजीविका का संकट

उत्तर प्रदेश, बिहार और अन्य राज्यों से आकर मुंबई व अन्य शहरों में गाड़ी चलाने वाले कई कम पढ़े-लिखे चालकों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

भाषा की कठिनाई

दैनिक संवाद में हिंदी या स्थानीय बोलियों का उपयोग करने वाले ड्राइवरों के लिए अचानक मराठी के व्यावहारिक परीक्षण या मौखिक परीक्षा में पास होना मानसिक तनाव का कारण बन रहा है।

नहीं हैं ये नियम

महाराष्ट्र की तरह अन्य राज्यों में स्थानीय भाषा की अनिवार्यता को लेकर कोई बाध्यता नहीं है। कर्नाटक में कन्नड़ का ज्ञान अनिवार्य करने की मांग उठी है। हालांकि, महाराष्ट्र जैसी नई राज्यव्यापी अनिवार्य व्यवस्था लागू नहीं हुई है। वहीं, पश्चिम बंगाल में मोटर वाहन नियमों में कुछ टूरिस्ट वाहन चालकों के लिए हिंदी और अंग्रेजी का ज्ञान निर्धारित है।

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की जांच को समिति बनी

सुप्रीम कोर्ट ने किया गठन, पुलिस पर हमले के आरोपों की भी जांच होगी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

पेपर लीक के मुद्दे पर 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस बर्बरता की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उच्चाधिकार प्राप्त जांच समिति का गठन किया। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जज जस्टिस आर सुभाष रेड्डी की अगुवाई में पांच सदस्यीय समिति छात्रों के खिलाफ पैलेट गन के इस्तेमाल और सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोपों की भी जांच करेगी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की पीठ ने इस समिति का चयन किया है। सदस्यों के चयन में विशेषज्ञता, अनुभव के साथ कमेटी की विविधता और अन्य कारक शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 18 अगस्त को पारित आदेश (गुरुवार को वेबसाइट पर अपलोड किया गया) में कहा गया है कि हमें भरोसा है कि उच्चाधिकार प्राप्त जांच समिति की सिफारिशें अदालत के लिए मददगार साबित होंगी, साथ ही उम्मीद जताई कि समिति उन सभी मुद्दों का व्यापक मूल्यांकन कर पाएगी, जिन पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

पीठ ने कहा, समिति मुद्दों का मूल्यांकन करे और समय-समय पर अंतरिम रिपोर्ट अदालत को सौंपे। पीठ ने कहा कि पुलिस बलों को लगी चोटों और उनके परिवारों को पहुंचे सदमे को भी बराबर ही महत्व दिया जाना चाहिए।

देहरादून में भारत-नेपाल की बैठक का पहला दिन पूरा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ देहरादून

उत्तराखंड के देहरादून में भारत और नेपाल के बीच सीमा प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर 14वीं संयुक्त कार्य समूह की बैठक का पहला दिन पूरा हो गया। मसूरी रोड स्थित एक निजी होटल में चल रही दो दिन की बैठक में गुरुवार को तीन सत्रों में बातचीत हुई। अब शुक्रवार सुबह एक सत्र और होगा, जिसके बाद बैठक खत्म हो जाएगी।

दोनों देशों के अधिकारियों के बीच हुई बातचीत में सीमा विवाद, सीमा निर्धारण, सुरक्षा और व्यापारिक संबंधों समेत कई मुद्दे एजेंडे में हैं। हालांकि, पहले दिन की बैठक में किन मुद्दों पर क्या बातचीत हुई और कोई सहमति बनी या नहीं, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पौसुमी बसु कर रही हैं, जबकि नेपाल के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नेपाल गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव आनंद काफ्ले कर रहे हैं। गृह मंत्रालय, आईटीबीपी, सेना और सर्वे ऑफ इंडिया के अधिकारी भी बैठक में शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक बैठक का अहम मुद्दा भारत-नेपाल के बीच चल रहा सीमा विवाद है। इसके समाधान के लिए सर्वे ऑफ इंडिया के पुराने रिकॉर्ड और ब्रिटिश शासनकालीन नक्शों का इस्तेमाल किया जाना है। दोनों देशों के अधिकारी इन दस्तावेजों को मौजूदा भौगोलिक स्थिति से मिलाकर विवादित सीमा क्षेत्रों पर सहमति बनाने की कोशिश करेंगे।

सीमा पर जमीन और सीमा निर्धारण से जुड़े मामलों में पुराने अभिलेखों को महत्वपूर्ण माना जाता है। ब्रिटिशकालीन नक्शों के साथ दूसरे उपलब्ध दस्तावेजों और वर्तमान स्थिति का भी अध्ययन किया जाएगा।

होमवर्क न करने पर शिक्षिका ने मासूम को जड़े थप्पड़, मौत

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम से दुखद घटना सामने आई है। एक निजी स्कूल में यूकेजी में पढ़ने वाले छह वर्षीय छात्र की गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवार ने आरोप लगाया है कि होमवर्क पूरा नहीं करने पर शिक्षिका ने बच्चे को पीटा, जिसके बाद वह कक्षा में बेहोश होकर गिर पड़ा। बच्चे को किंग जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की पहचान प्रणय तेजा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, प्रणय गुरुवार सुबह पूरी तरह स्वस्थ था। बच्चे के पिता ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे बेटा खुद स्कूल जाने की जिद कर रहा था।

पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार का तिहाड़ में निधन, सिख विरोधी दंगों में उम्रकैद काट रहे थे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

तिहाड़ जेल में बंद कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को 80 साल की उम्र में निधन हो गया। न्यूज एजेंसी अठक के सूत्रों के मुताबिक उन्हें मृत अवस्था में सफदरजंग अस्पताल में लाया गया था। सज्जन कुमार दिसंबर 2018 से जेल में बंद थे। 7 साल 8 महीने जेल में रहने के बाद आज उनका निधन हो गया। उन्हें 1984 सिख विरोधी दंगों के दो मामलों में उम्रकैद की सजा मिली थी, जबकि दंगों से ही जुड़े दो केस में बरी हो गए थे।

1984 दंगे- सज्जन पर सिखों की हत्या का आरोप

31 अक्टूबर 1984: प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1 नवंबर से दिल्ली समेत कई हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़के थे। दिल्ली में करीब 2700 और देशभर में लगभग 3500 लोगों की मौत हुई। मई 2000: जीटी नानावटी कमीशन बना। इसकी सिफारिश पर 24 अक्टूबर 2005 को उइकने केस दर्ज किया। तब सज्जन कुमार सांसद थे। उन्हें दंगे भड़काने और सिखों की हत्या के मामले में आरोपी बनाया गया। 2010-2013: ट्रायल कोर्ट ने सज्जन कुमार समेत कई आरोपियों को समन किया। 2013 में सज्जन कुमार को बरी किए जाने के बाद उइकने हाईकोर्ट में अपील की। 17 दिसंबर 2018: दिल्ली हाईकोर्ट ने पांच सिखों की हत्या के मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई। 2005: दंगों के 21 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में माफी मांगते हुए कहा था कि इस घटना से उनका सिर शर्म से झुक जाता है।

4 मामले- 2 में बरी, 2 में उम्रकैद

सज्जन कुमार 20 अगस्त 2026, यानी उनकी मौत होने से पहले तक राजनगर और सरस्वती विहार से जुड़े 2 मामलों में दोषी थे, उन्हें उम्रकैद मिली थी, बाकी दूसरे 2 मामलों में बरी/डिस्चार्ज कर दिया गया था। पढ़िए कौन सा मामला क्या था- 1. राज नगर केस- पहले बरी, फिर उम्रकैद: दिल्ली कैंट के राज नगर/पालम कॉलोनी में 1 नवंबर 1984 को एक ही सिख परिवार के 5 सदस्यों की हत्या और राज नगर में गुरुद्वारे को जलाने का मामला था। 2013 में ट्रायल कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया, जबकि दूसरे आरोपियों को दोषी ठहराया गया। 17 दिसंबर 2018 के दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला पलट दिया और सज्जन कुमार को दोषी ठहराया गया, उन्हें उम्रकैद की सजा दी गई।

कैंसर की नकली दवा बेचने वाले गिरोह का पदार्फाश, 17 पकड़े

दिल्ली-नवी मुंबई के ठिकानों पर एक साथ धावा बोला, सबूत मिटाने का मौका नहीं मिला

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है।

यह गिरोह नकली और अस्पतालों से कथित तौर पर चोरी की गई महंगी एंटी-कैंसर दवाओं की खरीद-बिक्री में शामिल था। पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और हैदराबाद समेत कई शहरों में छापेमारी कर अब तक 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे और ठिकानों से करीब नौ करोड़ रुपये मूल्य की दवाएं बरामद की गई हैं। इनमें कैंसर के इंजेक्शनों की 588 भरी वायल, छह खाली वायल, सात खाली डिब्बे और अन्य दवाओं की 3,021 यूनिट शामिल हैं। इसके अलावा करीब 50 लाख रुपये नकद, उपकरण, रजिस्टर और डायरियां भी बरामद हुई हैं।

क्राइम ब्रांच की सात टीमें

क्राइम ब्रांच की सात टीमें, करीब 21 दिनों की रेकी के बाद 11 जुलाई की रात एक साथ इनके ठिकानों परह्णस्ट्राइकह्णकी। छापेमारी से पहले ही गिरोह के मुख्य सरगनाओं, डिलीवरी बॉय और संदिग्ध लोकेशंस की पूरी कस्टडी मैपिंग कर ली गई थी। दिल्ली?-नवी मुंबई में छापेमारी की। इस महीने भर के ऑपरेशन का नतीजा यह रहा कि पुलिस ने करीब 9 करोड़ मूल्य की जीवन रक्षक दवाएं बाजार में पहुंचने के पहले ही पहले ही जब्त कर लीं। बरामद दवाओं में दुनिया की सबसे महंगी कैंसर थेरेपी में इस्तेमाल होने वाले ब्रांड्स शामिल हैं, जिनमें डार्जालेक्स और कीटूडा शामिल हैं। करीब दो महीने के इस सघन अभियान के बाद पुलिस अब तक 17 आरोपियों को दबोच चुकी है, जिनमें नामी अस्पतालों के नर्सिंग इंचार्ज, डॉक्टरों के पीए और फर्जी इनवॉइस बनाने वाले रैकेटियर शामिल हैं। यह ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। नामी अस्पतालों के कैंसर वार्डों से चुराए गए या सरकारी गोदामों से डायवर्ट किए गए इंजेक्शनों को ये आवासीय फ्लैटों में लाते थे। वहां एसीटोन जैसे केमिकल का इस्तेमाल कर दवाओं की असली पहचान (बैच नंबर और एमआरपी) को बेहद सफाई से मिटा दिया जाता था।

क्राइम ब्रांच के स्पेशल कमिश्नर एचजीएस धालीवाल के मुताबिक, 22 जून को पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग महंगी एंटी-कैंसर दवाओं की अवैध खरीद और बड़े स्तर पर सप्लाई कर रहे हैं।एसीपी की निगरानी में सात टीमें गठित की गईं। पूर्वी दिल्ली, रोहिणी और मुंबई में संदिग्ध ठिकानों की पहचान के बाद 11 जुलाई को क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स विभाग और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर दिल्ली और नवी मुंबई में एक साथ छापेमारी की। जांच में सामने आया कि अनधिकृत स्रोतों से नकली दवाएं हासिल की जाती थीं। दूसरा, अस्पतालों में कैंसर मरीजों के इलाज के लिए रखी दवाओं को कथित तौर पर चोरी कर बाहर निकाला जाता था। तीसरे तरीके में सरकारी संस्थानों की दवाओं को अवैध रूप से डायवर्ट किया जाता था।

गृहमंत्री ने तमिलनाडु में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता की

उत्तर भारत की तरह दक्षिण जल विवाद भी बातचीत से सुलझेंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ चेन्नई

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को तमिलनाडु के महाबलीपुरम में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक की अध्यक्षता की। शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दक्षिण भारत का क्षेत्र देश के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चाहे कृषि हो या उद्योग, स्वस्थ नागरिक हों या पर्यावरण, इन चारों क्षेत्रों में पानी ही इस क्षेत्र की आत्मा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस तरह उत्तर भारत में कश्मीर से लेकर उत्तर प्रदेश तक नदियों के पानी से जुड़े शत-प्रतिशत विवादों को सुलझा लिया गया है, उसी तरह दक्षिण के जल विवाद को भी नए सिरे से सोचना होगा। बैठक में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन, पुदुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन, अंडमान-निकोबार के उप-राज्यपाल डीके जोशी, लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल और तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू सहित केंद्र और राज्यों के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यों में बनी सहमति : बैठक में शाह ने कहा कि अपने राज्य के हितों की रक्षा करना गलत नहीं है, लेकिन इससे वर्षों तक पानी का उपयोग न हो पाना और उसका समुद्र में बह जाना किसी के हित में नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर ब्रह्मपुत्र नदी को कावेरी और गोदावरी जैसी महानदियों से जोड़ दिया जाए, तो भारत में अगले 100 साल तक पानी की किल्लत खत्म हो सकती है। इससे सस्ते जलमार्ग भी बनेंगे और पर्यावरण सुधरेगा। इस दौरान दक्षिण के राज्यों ने लंबित जल विवादों को आपसी बातचीत और सकारात्मक तरीके से हल करने के सुझाव पर सहमति जताई। वहीं आंध्र प्रदेश और तेलंगाना भी गृह मंत्रालय के परामर्श से अपनी संपत्तियों और देनदारियों के बंटवारे का मुद्दा सुलझाने पर राजी हुए। परिसीमन के लिए 1971 की जनगणना बरकरार रखने की मांग : दक्षिण के राज्यों ने गुरुवार को सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से आग्रह किया कि संसदीय सीटों के आवंटन के लिए 1971 की जनगणना को ही बरकरार रखा जाए, ताकि 31वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक के दौरान उनके प्रतिनिधित्व (सीटों) की रक्षा की जा सके। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की मेजबानी में उच्चस्तरीय बैठक हुई। दूसरी ओर, विजय ने अमित शाह से कहा कि लोकसभा सीटों की संख्या राष्ट्रीय स्तर पर 543 और राज्य में 39 पर बनाए रखने वाली मौजूदा व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। मंत्री आर निर्मल कुमार ने बैठक के बाद संवाददाताओं को यह जानकारी दी।

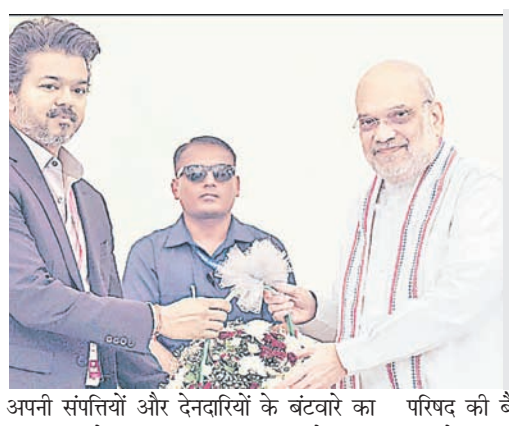

गृह मंत्री पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी पहुंचे- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार शाम पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी पहुंचे। यहां शाह सीमा सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेने, एसएसबी के कर्मियों से बातचीत करने और समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करने के लिए गृहमंत्री पहुंचे हैं।

लद्दाख में जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की पीठ बनेगी

सरकार ने लद्दाख में अलग से जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की एक पीठ स्थापित करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इस फैसले से केंद्रशासित प्रदेश के दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले नागरिकों के लिए न्याय तक पहुंच काफी बेहतर होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय को मंजूरी दी गई। शाह ने कहा कि सरकार लद्दाख के सर्वांगीण विकास और संवैधानिक सुरक्षा सुनश्चिति करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

■ वर्ष-12 अंक-288 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

श्रूयतां धर्म सर्वस्वं श्रुत्वा चैव अनुवर्त्यताम्।
आत्मनः प्रतिकूलानि, परेषां न समाचरेत्।।

भावार्थ : धर्म का सार क्या है, सुनें और सुनें और उसका पालन करें! दूसरों के साथ वह मत करो जो तुम्हें पसंद नहीं है।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, शुक्रवासरः 21 अगस्त, 2026

संग्राहकः: भीड़स्य मात्रां नियन्त्रयितुं बैकअप योजनाः

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

संग्राहकः: भीड़स्य मात्रां नियन्त्रयितुं बैकअप योजनाः सज्जाः उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने कहा कि भक्तों के सुचारू दर्शन (देवता के दर्शन) हो सकता है इसकी व्यवस्था की गई है। कोटिपर्यन्तं भक्तानां कृते बैकअपयोजना सहितं सज्जता कृता अस्ति; पेयजलं, चिकित्सासुविधाः, पादपरिधानसञ्चयः, अन्याः मूलभूतसेवाः इत्यादीनि सुविधानि प्रदत्तानि सन्ति। ६०० तः अधिकाः प्रशासनिकाधिकारिणः, कर्मचारी च व्यवस्थायाः निरीक्षणं कुर्वन्ति। ८ किलोमीटर्ट पादयात्रा, पङ्क्तौ घण्टाः, अन्ते च केवलं कतिपयानि सेकेण्ड् अस्य कार्यस्य परः पक्षः भक्तानां सम्मुखीभूतः संघर्षः अस्ति।

राशिफल

मेष : आज का दिन क्लियर फोकस, दोस्ताना मदद और अपनी ताकत दिखाने के नए मौके लाएगा।

वृषभ : आज प्यार का मामला स्टेबल और देखभाल करने वाला महसूस होगा। छोटे कदम आपको मजबूत रखते हैं।

मिथुन : जब आप नई सिचूऐशन आजमाएंगे और आइडिया शेयर करेंगे तो आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

कर्क : क्लियर लिस्ट और लगातार कदम आपको काम शांति से और गर्व के साथ खत्म करने में मदद करेंगे।

सिंह : आज का दिन आपके लिए रोमांस भरा साबित होगा। छोटे, समझदारी भरे रिस्क लें। जरूरत पड़ने पर मदद मांगें।

कन्या : आप काम, रिलेशन और सेल्फ-ग्रोथ में कॉन्फिडेंस, सब्र और क्लैरिटी के साथ प्रोग्रेस का आनंद ले सकते हैं।

तुला : आज छोटी गलतियों को सबक समझें। दिन के आखिर तक आप शांत महसूस करेंगे और आगे बढ़ने के लिए तैयार होंगे।

वृश्चिक : शांति बनाए रखें। एक सफल प्रोफेशनल लाइफ जिएं, जहां आप सभी दिए गए काम पूरे करें।

धनु : जब आप मांगेंगे तो मदद के लिए कोई न कोई आएगा। आज खुद की बुराई करने से बचें।

मकर : आज आपको पर्सनल और सोशल गोल के करीब पहुंचने के साथ-साथ प्लान को आसानी से मैनेज करने में मदद मिलेगी।

कुंभ : नए आइडिया आसानी से आ सकते हैं, लेकिन लगातार काम करना जरूरी है। दोस्त मददगार सपोर्ट व नए नजरिए देते हैं।

मीन : आज के दिन कमिटमेंट के साथ जॉब में हिम्मत दिखाएं। आज अच्छी हेल्थ से फाइनेंशियल सक्सेस मिलेगी।

सुखार्थं सर्वभूतानां मताः सर्वाः प्रवृत्तयः।
सुखं नास्ति विना धर्मं तस्मात् धर्मपरो भव।।

भावार्थ : सभी प्राणियों की प्रवृत्ति सुख की है और धर्म के बिना सुख नहीं है। इसलिए तुम पवित्र बनते हो।

सम्पादकीयम्

वैचारिकवैविध्ये बलम्

तस्य विपरीतम्, धनिनः नागरिकसंस्थानां निधिं कुर्वन्ति तथा च नवीनतायाः पोषणं विविधविचारप्रवर्धने च महत्त्वपूर्णां भूमिकां निर्वहन्ति, येन कस्यापि एकस्य समूहस्य वैचारिकप्रभुत्वं स्थापयितुं न शक्यते जॉन् लिखति यत् धनिनां परोपकारी स्वभावेन अनेकेषु राष्ट्रेषु कला, शिक्षा, नागरिकसमाजस्य च प्रगतिः पोषिता अस्ति। सः अस्मिन् सन्दर्भे उदाहरणरूपेण टेक उद्योगस्य टाइटन्-जनानाम् उल्लेखं करोति, तेषां निर्मिताः मञ्चाः सूचनानां लोकतान्त्रिकीकरणे महत्त्वपूर्णां भूमिकां निर्वहन्ति इति दावान् करोति सः टिप्पणीं करोति यत् यद्यपि अमेरिका इत्यादिषु देशेषु नीतयः प्रायः जनमतस्य, लॉबिंग, नौकरशाही च दबावस्य अधीनाः भवन्ति तथापि धनिनः एतादृशानां समूहदबावानां ऋणी न भवन्ति फलतः ते सम्यक इति मन्यमाणानां कारणानां समर्थनं कुर्वन्ति। परन्तु जॉन् इत्यनेन इदमपि स्वीकारणीयम् आसीत् यत् धनिनः कदाचित् राष्ट्रपतिपदस्य अभ्यर्थीनां वित्तपोषणं कृत्वा अमेरिकीनीतीः स्वरुचिनुसारं आकारयन्ति। ते बहुधा स्वहिताय नीतीनां वकालतम् कुर्वन्ति, सर्वेभ्यः अपि अधिकं स्वस्य व्यक्तिगतलाभं प्राथमिकताम् अददात्।

४ गङ्गायां प्रबलधाराद्वारा कांवरियाः अपहृताः, अराजकता भवति

पञ्चलघाटे गङ्गायां स्नानं कुर्वन्तः एकस्मिन् एव ग्रामस्य चत्वारः व्यक्तिः गभीरे जले डुबन्ति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ फरुर्खाबाद

एकः दुःखदः घटना अभवत् यस्मिन् सावनमासे पवित्रजलं आनेतुं प्रस्थिताः भगवतः शिवस्य (कांवरिया) भक्ताः आसन्। पञ्चलघाटे गङ्गायां स्नानं कुर्वन्तः एकस्मिन् एव ग्रामस्य चत्वारः व्यक्तिः गभीरे जले डुबन्ति स्म; तेषु त्रयः एकस्मिन् एव कुटुम्बस्य आसन्। प्रवाहः एतावत् प्रबलः आसीत् यत् नेत्रनिमिषमात्रेण चत्वारः अपि सवेषां दृष्टेः पुरतः एव तरङ्गयोः अन्तधार्नं कृतवन्तः। एतत् घोरं दृश्यं दृष्ट्वा प्रेक्षकाः कोरपर्यन्तं कम्पिताः अभवन्, घाटः च क्रन्दनेन आतङ्केन च उद्धूतः। तत्क्षणमेव अधिकारिणः सचेष्टिताः, सम्प्रति उद्धारकार्यक्रमः प्रचलति।

समाचारानुसारं शाहजहानपुरमण्डलस्य नयागांवखुडागञ्जतः दशजनाः रविवासरे रात्रौ पञ्चमोटरसाइकिलैः पवित्रजलसङ्ग्रहार्थं पञ्चलघाटं प्राप्तवन्तः आसन्। सोमवासरे प्रातः ४:३० वादनस्य समीपे केचन युवकाः स्नानार्थं 'उत्तरबन्ध' (उत्तरतटबन्धस्य) समीपे गङ्गाप्रवेशं कृतवन्तः। स्नानकाले योगेशः (१७), तस्य मामा विकासः (२५), तस्य मातुलः (मातुलस्य पुत्रः) कमलः (२३), अर्जुनः (१७) नामकः सहग्रामीणः च गभीरतरजलं प्रति गन्तुं आरब्धवन्तः। घाटे उपस्थिताः पुलिसकर्मचारिणः समीपे स्थिताः तेषां मित्राणि च तान् अधिकं न गन्तुं चेतवन्, तान् स्थगयितुं कठोररूपेण सल्लाहं दत्तवन्तः। परन्तु युवकाः चेतावनीम् अवहेलितवन्तः। क्षणान्तरे द्रुतप्रवाहेन गृहीताः ते जले संघर्षं कर्तुं आरब्धवन्तः, कस्यचित् स्थितिं पूर्णतया ग्रहीतुं न शक्नुवन्ति स्म, ततः पूर्वं ते गहने अन्तधार्नं कृतवन्तः शोकं पकडयति गृहाणि; 'पानी के बताशे' विक्रय से अर्जित आजीविका।

दुर्घटनायाः दुःखदवार्ता खुडागञ्जग्रामं प्राप्तमात्रेण परिवाराः विध्वस्ताः अभवन्; विलपन्तः आघातावस्थायां च घाटं प्रति द्रुतं गतवन्तः। पीडितानां मध्ये १७ वर्षीयः योगेशः उच्चविद्यालयस्य छात्रः आसीत्। एतस्मिन् समये २५ वर्षीयः विकासः षट् भ्रातृषु कनिष्ठः आसीत्, सः मध्यवर्ती अध्ययनं सम्पन्नं कृत्वा आईटीआई पाठ्यक्रमं कुर्वन् आसीत्। २३ वर्षीयः कमलः त्रयाणां भ्रातृणां मध्ये कनिष्ठः आसीत्। एतेषु केचन युवकाः पानी-बताशे (वीथिभोजनम्) शकटं चालयित्वा स्वपरिवारस्य पोषणं कृतवन्तः इति कथ्यते। एषा अकल्पनीयदुःखदघटना सुखिनः, समृद्धाः परिवाराः गहने, स्थायि-आघाते निमज्जितवन्तः।

एनडीआरएफ तथा गोताखोर उद्धारकार्यक्रम प्रचलति चतुर्णां व्यक्तिनां डुबनस्य वार्ता प्राप्य तत्क्षणमेव पुलिस अधीक्षकः आरतीसिंहः विशालपुलिसबलेन सह घटनास्थले आगतः। परिस्थितेः गुरुत्वाकर्षणं दृष्ट्वा एनडीआरएफ-दलं स्थानीयगोताखोराः च शीघ्रमेव नदीयां नियोजिताः। परन्तु गङ्गायाः उच्चजलस्तरस्य, प्रबलप्रवाहस्य च कारणेन उद्धारदलस्य महत्त्वपूर्णानि आव्हानानि सन्ति; मध्याह्नपर्यन्तं लापतानां युवकानां लेशः न प्राप्तः। नगरवृत्ताधिकारी (सीओ) अभय वर्मा इत्यनेन उक्तं यत् अन्वेषणकार्यक्रमः युद्धपदे प्रचलति। इदानीं घाटस्य सुरक्षां कठिनं कृतम् अस्ति, भक्ताः गहने जले उद्यमं कर्तुं कठोररूपेण निवारिताः सन्ति।

गुजरातः कच्छमरुभूमितः प्राप्तः

पुरातत्त्वनिधिः; १०० तः अधिकाः मानवकङ्कालाः प्राचीनावशेषाः च प्राप्ताः

ब्रह्मास्त्र ▸▸ अहमदाबाद

गुजरातस्य कच्छमरुभूमितः ऐतिहासिकं पुरातत्त्वीयं च रहस्यं उद्धूतम् अस्ति-यत् भारतस्य प्राचीन-इतिहासस्य नूतनं दृष्टिकोणं प्रदातुं शक्नोति। कच्छविश्वविद्यालयस्य शोधकर्तृभिः मरुभूमिक्षेत्रे १०० तः अधिकैः मानवकङ्कालैः प्राचीनकुम्भकारैः सह प्राचीनमानववस्तीयाः अवशेषाः आविष्कृताः प्रारम्भिक अध्ययनेन ज्ञायते यत् एतत् स्थलं मध्ययुगीनयुगस्य अथवा सिन्धुउपत्यकासभ्यतायाः उत्तरकालस्य भवितुं शक्नोति। एषा महत्त्वपूर्णा आविष्कारः विश्वव्यापीनां वैज्ञानिकानां पुरातत्त्वविदां च ध्यानं आकर्षितवती अस्ति।

इदानीं मरुभूमिस्थे कदाचित् एकः समृद्धः मानवनिवासः आसीत् अद्यत्वे यत्र विशालः, वन्ध्याः कच्छमरुभूमिः अस्ति, तत्र कदाचित् समृद्धा, सक्रियः च मानवजनसंख्या निवसति स्म। कच्छविश्वविद्यालयस्य भूविज्ञानविभागस्य प्रभारी डॉ. गौरवचौहानः तस्य दलेन सह अस्य महत्त्वपूर्णस्य पुरातत्त्वस्थलस्य आविष्कारः अभवत्। मुक्तभूमौ प्राप्ताः १०० तः अधिकाः मानवकङ्कालाः अत्यन्तं संगठितरूपेण दफनाः आसन्, सर्वे समानविशिष्टदिशि संरेखिताः आसन्। वैज्ञानिकानां मतं यत् एषा अन्त्येष्टिविधिः तस्य युगस्य सामाजिकधार्मिकपरम्पराः प्रतिबिम्बयति। अस्मिन् स्थले कङ्कालैः सह टेराकोटक्रीडासामग्री, कुम्भकाराः, प्राचीनसंरचनानां अवशेषाः च प्राप्ताः। बीएसएफ-कर्मचारिणां सतर्कतायाः कारणात् अस्य आविष्कारः अभवत् सीमासुरक्षाबलस्य कर्मचारिणः प्रथमवारं गस्तीयाः समये अस्य प्राचीनस्य ऐतिहासिकस्थलस्य साक्षात्कारं कृतवन्तः। तेषां प्रतिवेदनस्य अनन्तरं कच्छविश्वविद्यालयस्य वैज्ञानिकदलेन क्षेत्रस्य विस्तृतं सर्वेक्षणं कृतम्।

ज्योतिष/वास्तु

शनि का नक्षत्र परिवर्तन, इन 4 राशियों को करियर और धन में मिलेगा बड़ा लाभ

गुरुवार को शनि रेवती नक्षत्र में प्रवेश कर लिया है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, चार राशियों के लिए यह नक्षत्र परिवर्तन विशेष रूप से लाभकारी रह सकता है। आइए जानते हैं ये चार राशियां कौन सी हैं।

वैदिक ज्योतिष में शनि देव की चाल और उनके नक्षत्र परिवर्तन को विशेष महत्व दिया जाता है। माना जाता है कि शनि के राशि या नक्षत्र बदलने का असर सभी 12 राशियों के जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों पर देखने को मिलता है। 20 अगस्त 2026 को यानी गुरुवार को शनि रेवती नक्षत्र में प्रवेश कर चुके हैं। इस परिवर्तन से कुछ राशि के जातकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जबकि कुछ लोगों के लिए यह समय तरक्की, आर्थिक मजबूती और करियर में नए अवसर लेकर आ सकता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, चार राशियों के लिए यह नक्षत्र परिवर्तन विशेष रूप से लाभकारी रह सकता है।

वृषभ राशि- वृषभ राशि के जातकों के लिए शनि का यह नक्षत्र परिवर्तन सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। नौकरी करने वाले लोगों

को कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। प्रमोशन के साथ सैलरी बढ़ने की संभावना भी बन सकती है। वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे और आपके काम को पहचान मिल सकती है। लंबे समय से मनपसंद नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। आर्थिक मोर्चे पर भी परिस्थितियां पहले की तुलना में बेहतर होने के संकेत हैं।

मिथुन राशि- मिथुन राशि वालों के लिए शनि का रेवती नक्षत्र में जाना काफी अनुकूल माना जा रहा है। अट-के हुए कार्यों को गति मिल सकती है और नौकरी से जुड़े नए प्रस्ताव सामने आ सकते हैं। कारोबार करने वाले जातकों के लिए नए कॉन्ट्रैक्ट या व्यावसायिक समझौते लाभदायक साबित हो सकते हैं। इससे कमाई बढ़ने के रास्ते खुलेंगे। काम के सिलसिले में की गई यात्राएं भी फायदेमंद रह सकती हैं।

तुला राशि- तुला राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में चली आ रही परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है। ऑफिस में सहयोगियों का साथ मिलेगा, जिससे महत्वपूर्ण काम आसानी से पूरे हो सकते हैं। आय बढ़ाने के नए साधन विकसित हो सकते हैं। साथ ही धन को व्यवस्थित तरीके से बचाने में भी सफलता मिल सकती है। इस अवधि में किए गए प्रयासों में भाग्य का साथ मिलने की संभावना रहेगी।

मकर राशि- मकर राशि वालों के आत्मविश्वास में वृद्धि हो सकती है। आपकी मेहनत का उचित परिणाम मिलने के योग हैं। विदेश से जुड़े प्रोजेक्ट या काम करने वालों को विशेष लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ समाज और कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। पहले किए गए किसी निवेश से फायदा मिलने की संभावना है। वैवाहिक जीवन में भी पार्टनर का सहयोग आपके लिए मददगार साबित होगा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी टॉप-8 में, त्रिसा-गायत्री भी जीतीं

आयुष-सिंधु बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

भारत की पीवी सिंधु बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गई हैं। उन्हें विमेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 16 मैच में चीन की वांग झी यी ने 11-21, 21-15, 17-21 से हराया। यह मैच एक घंटे 28 मिनट चला।

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रही चैंपियनशिप में गुरुवार को तीसरी सीड चीन की खिलाड़ी क्रैप्स से परेशान दिखीं। इसके बावजूद उन्होंने भारतीय स्टार सिंधु को हरा दिया। सिंधु की हार के साथ सिंगल्स कैटेगरी में भारत की चुनौती समाप्त हो गई है। उनसे पहले आयुष को इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने उन्हें 45 मिनट में 21-19, 21-11 से हराया। मेंस डबल्स में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने, विमेंस डबल्स में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

- **चीनी खिलाड़ियों से लगातार 8 जीत के बाद हारीं सिंधु-** 9वीं सीड पीवी सिंधु चीन के खिलाड़ियों के खिलाफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में लगातार 8 जीत के बाद हारी हैं। इसी के साथ उनके वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठा मेडल जीतने की उम्मीद खत्म हो गई। सिंधु ने पहला गेम हारने के बाद वापसी की, लेकिन निर्णायक गेम में वे अपनी लय कायम नहीं रख सकीं।
- **आयुष शेट्टी 45 मिनट में हारे-** पहले गेम में आखिरी तक मुकाबलाआयुष ने शुरूआती तीन अंक अपने नाम किए। अल्वी फरहान ने धीरे-धीरे वापसी की। इंटरवल तक इंडोनेशियाई खिलाड़ी 11-9 से आगे था। यहां से दोनों के बीच कड़ा मैच देखने को मिला। आखिरी पलों में फरहान ने बेहतर खेल दिखाते हुए पहला गेम 21-19 से जीत लिया। दूसरे गेम में फरहान ने दबाव बनायादूसरे गेम में आयुष शुरूआत से ही दबाव में दिखे।

त्रिसा-गायत्री भी क्वार्टर फाइनल में

- भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने विमेंस डबल्स में क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 39वीं सीड भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 में जापान की 7वीं सीड रिन इवानागा और की नाकानिशी को सीधे गेम में 21-16, 21-12 से हराया।
- वहीं, मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो को चीन की गुओ शिन वा और चेन फांग हुई ने 21-16, 21-5 से हराया। इसके साथ ही भारत का मिक्स्ड डबल्स अभियान भी खत्म हो गया।

ध्रुव-तनिषा की जोड़ी चीनियों से हारी

मिक्स्ड डबल्स के राउंड ऑफ 16 में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो को चीन के गुओ शिन वा और चेन फांग हुई के खिलाफ 16-21, 5-21 हार झेलनी पड़ी है। यह मैच 31 मिनट तक चला। ध्रुव और तनिषा ने पिछले मैच में मकाऊ के लियोंग लोक चोंग और एन वेंग ची को 21-11, 21-11 से हराया था।

जेवलिन थ्रोअर शिवपाल सिंह पर 10 साल का बैन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

भारत के जेवलिन थ्रोअर और टोक्यो ओलिंपियन शिवपाल सिंह पर दूसरी बार डोपिंग का दोषी पाए जाने के बाद 10 साल का बैन लगाया गया है। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी के डिसिप्लिनरी पैनल ने प्रतिबंधित पदार्थ मेथेंडिएनोन के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद यह सजा सुनाई। 31 साल के शिवपाल के लिए यह बैन उनके करियर का अंत माना जा रहा है। शिवपाल 2019 एशियन चैंपियनशिप में 86.23 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। वे टोक्यो ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। शिवपाल का सैंपल 2021 में हुए आउट-ऑफ-कंपटीशन टेस्ट में स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव आया था। अगस्त 2022 में ठअऊअ के डिसिप्लिनरी पैनल ने उन्हें दोषी मानते हुए 4 साल का बैन लगाया था। शिवपाल ने अपील में कहा था कि जिस सप्लीमेंट का उन्होंने इस्तेमाल किया था, उसमें प्रतिबंधित पदार्थ मिला हुआ था। जनवरी 2023 में नाडा के अपील पैनल ने उनका पक्ष स्वीकार करते हुए बैन को 4 साल से घटाकर 1 साल कर दिया।

फिर टल सकता है भारत का बांग्लादेश दौरा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट तमीम इकबाल ने संकेत दिया है कि भारत का बांग्लादेश दौरा फिर टल सकता है। 37 साल के पूर्व बांग्लादेशी कप्तान ने कहा कि सीरीज को लेकर बीसीबी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के बीच बातचीत चल रही है। दरअसल, भारत को अगस्त 2025 में बांग्लादेश का दौरा करना था, लेकिन सीरीज को बाद में सितंबर 2026 तक टाल दिया गया। बीसीबी ने जनवरी में बताया था कि भारत ढाका और चटगांव में 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेलेगा। हालांकि, बीसीसीआई ने इस दौरे को लेकर अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। बीसीबी की प्रेस रिलीज के अनुसार सीरीज का पहला वनडे 3 सितंबर को होना है। लेकिन, अब तक नया शेड्यूल जारी नहीं किया है। अभी यह साफ नहीं है कि सीरीज तय कार्यक्रम के अनुसार होगी या नहीं।

- **सीरीज 2024 में होनी थी:** दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर टी-20 वर्ल्ड कप से पहले बीसीसीआई और बीसीबी के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था।
- **सुरक्षा बड़ा इश्यू:** तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की। उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।
- **हालात सुधरने पर सीरीज संभव:** भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन का न्योता दिया है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत भी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार दोनों देशों के राजनीतिक संबंध सुधरते हैं, तो मैच का रास्ता साफ होगा।

खबर एक नजर...

स्नेचिंग करने वाले बदमाशों को उज्जैन लाई पुलिस

उज्जैन। फव्वारा चौक पर 5 अगस्त की रात ड्रायफ्रूट की दुकान संचालित करने वाले मुकेश नीमा की पत्नी मनीषा के गले से चेन स्नेचिंग करने वाले 2 बदमाशों मोहम्मद जाबीर हुसैन उर्फ सत्तारिया उर्फ अठारिया पिता जाकीर 28 साल और रेहान पिता हनीफ शेख 20 साल निवासी इंदौर को कोतवाली थाना पुलिस देवास जेल से पूछताछ के लिये एक दिन के प्रोटेक्शन रिमांड पर उज्जैन लेकर आई। थाना प्रभारी दिनबंधूसिंह तोमर ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि बदमाशों में शामिल मोहम्मद जाबीर हुसैन आदतन स्नेचर है, उसके खिलाफ पूर्व में 13 मामले दर्ज है। वहीं उसका साथी रेहान पहली बार वारदात में शामिल हुआ था। दोनों से वारदात के बाद भागने वाले रास्ते की जानकारी ली गई और प्रकरण में विवेचना पूरी करने के बाद दोनों को वापस देवास जेल भेज दिया गया। विदित हो कि 5 अगस्त को दोनों बदमाशों ने पहले देवास स्थित सिविल लाइन क्षेत्र में मंगलसूत्र झपटा था उसके बाद उज्जैन आकर माधवनगर थाना क्षेत्र के कोठीरोड पर दूसरी चेन स्नेचिंग कर तीसरी वारदात फव्वारा चौक पर की थी। बदमाशों को देवास पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जिनसे उज्जैन की दोनों वारदातों का खुलासा हुआ था। अब माधवनगर थाना पुलिस बदमाशों को प्रोटेक्शन रिमांड पर लेकर आयेगी।

सिहोर से 2 दिन पहले उज्जैन आया बुजुर्ग हुआ लापता

उज्जैन। सिहोर के इछावर तहसील के ग्राम दिवड़िया में रहने वाला बुजुर्ग प्रहलाद पिता जगन्नाथसिंह वर्मा 52 साल 2 दिन पहले परिवार से उज्जैन स्थित कार्तिक चौक जगदीश मंदिर धर्मशाला जाने का बोलकर निकला था। परिजनों से संपर्क किया तो नहीं हुआ। पुत्र कन्हैयालाल वर्मा 24 साल उज्जैन पहुंचा और जगदीश मंदिर धर्मशाला पहुंचकर तलाश की, लेकिन पिता नहीं पहुंचे थे, पुत्र ने उज्जैन में तलाश करने के साथ सभी रिश्तेदारों से जानकारी ली। पिता का कुछ पता नहीं चला। बीती रात पुत्र ने खाराकुआ थाने पहुंचकर पिता के लापता होने की शिकायत करते हुये अज्ञात व्यक्ति द्वारा बंधक बनाने की शंका जताई। पुलिस ने मामले में अपहरण का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

रात 1 बजे पुरानी रंजीश में 2 पक्षों के बीच मारपीट

उज्जैन। कानीपुरा स्थित गिरीराज रतन कालोनी में बुधवार-गुरूवार रात 1 बजे मनीष उर्फ साहिल पिता संतोष माली 23 साल निवासी गिरीराज रतन कालोनी और बहादूर पिता सिद्धू वर्मा 46 साल निवासी तिरूपतिधाम के पास देवनगर में रहने वाले के बीच पुरानी रंजीश को लेकर विवाद हो गया। दोनों के साथी भी विवाद में शामिल हो गये और मामला मारपीट में बदल गया। दोनों ओर से लात-घूंसे चले और जान से मारने की धमकी दी गई। यहीं नहीं बहादूर वर्मा की आटो में मनीष और उसके साथियों ने तोड़फोड़ कर दी। मामला चिमनगंज थाना पुलिस के पास पहुंचा तो दोनों पक्षों की शिकायत पर रात 3 बजे क्रास प्रकरण दर्ज किया गया।

हफ्ता देने से मना किया तो रिक्शा में की तोडफोड़

उज्जैन। तराना का रहने वाला राजेश पिता आनंदीलाल वंश 46 साल उज्जैन स्थित राजीव नगर में किराये का मकान लेकर उज्जैन में ई-रिक्शा चलता है। रात में वह रिक्शा लेकर घर लौट रहा था, उसी दौरान घर से कुछ दूरी पर उसे क्षेत्र के बदमाश गोलू ने रोक लिया। राजेश का लगा सवारी होगी, उसे जैसे ही रिक्शा रोका बदमाश ने हफ्ता देने की बात कहने लगा। राजेश ने पैसे देने से मना किया तो बदमाश ने पहले तो मारपीट की और फिर रिक्शा में तोड़फोड़ कर नुकसान कर दिया। बदमाश ने रंगदारी करते हुये कहा कि हफ्ता नहीं दिया तो जान से मार देगा। लोगों के आने पर बदमाश भाग निकला। मामले में चिमनगंज थाना पुलिस ने बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू की है।

ठगों ने फिर 2 लोगों के खाते से उड़ाये हजारों रुपए

उज्जैन। ऑनलाइन फ्रॉड के मामले लगातार सामने आ रहे है। साइबर ठग लिंक भेजकर मोबाइल हैक कर रहे है। नया मामला बड़नगर के ग्राम पीरझलार में रहने वाले राजेन्द्र पिता जुवारसिंह चावड़ा के साथ हुआ। साइबर ठग ने झांसे में लेकर 60 हजार का ट्रांजेक्शन कर लिया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया है। दूसरा मामला महाकाल थाना क्षेत्र के मुल्लापुरा में रहने वाले ओमप्रकाश पिता कालू मकवाना के साथ हुआ। मोबाइल हैक होने के बाद उसके खाते से 50 हजार के लगभग राशि गायब हो गई। पिछले एक माह में जिले के अधिकांश थानों पर साइबर फ्रॉड के दर्जनों मामले दर्ज हो चुके है। लेकिन अब तक फ्रॉड करने वाला का सुराग नहीं मिल पाया है।

दिन	170-8	369-8
मेन बाजार	345-2	356-4
मिलन डे	290-1	668-0
मिलन नाइट	34-0	660-2

2 3 8

फफूंद लगे पाव मिलने से खाद्य सुरक्षा पर उठे सवाल

लक्ष्मी बेकरी की लापरवाही से उपभोक्ता परेशान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। पाव भाजी खाने की इच्छा होने पर एक परिवार ने लक्ष्मी बेकरी से पाव का पैकेट खरीदा, लेकिन पैकेट खोलते ही उसमें फफूंद लगे हुए पाव देखकर परिवार के सदस्य हैरान रह गए। उपभोक्ता का आरोप है कि पैकेट में रखे पाव स्पष्ट रूप से खराब हो चुके थे, इसके बावजूद उन्हें बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया।

परिवार के अनुसार पाव भाजी बनाने के लिए पाव की जरूरत होने पर घर से एक सदस्य लक्ष्मी बेकरी से पाव लेकर आया था। घर पहुंचने के बाद जैसे ही पैकेट खोला गया, उसमें रखे कुछ पाव पर फफूंद दिखाई दी। खराब पाव देखकर परिवार ने उनका उपयोग नहीं किया। उपभोक्ता का कहना है कि यदि पैकेट खोले बिना ही पाव खा लिए जाते तो यह स्वास्थ्य के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन सकता था।

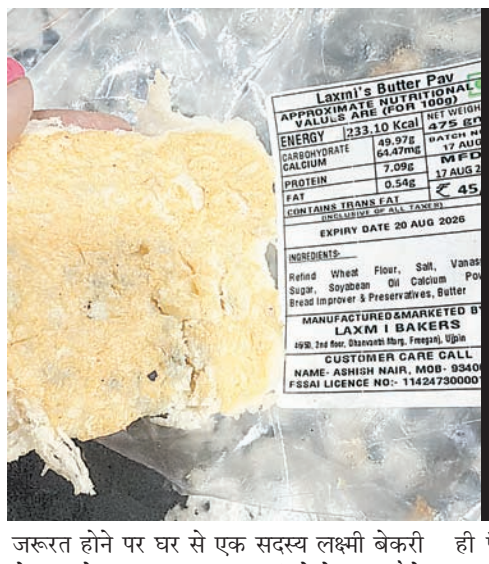

पैकिंग और गुणवत्ता जांच पर सवाल

इस घटना ने बेकरी और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि खाद्य सामग्री बेचने वाले प्रतिष्ठानों की नियमित जांच होना जरूरी है। खासकर ब्रेड, पाव, बिस्किट और अन्य जल्दी खराब होने वाले खाद्य पदार्थों के भंडारण, निर्माण तिथि, उपयोग की अंतिम तिथि और पैकेजिंग की स्थिति की जांच लगातार की जानी चाहिए। फफूंद लगे खाद्य पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे में खाद्य सामग्री बेचने वाले प्रतिष्ठानों की जिम्मेदारी है कि वे उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सामग्री ही उपलब्ध कराएं।

खाद्य विभाग से कार्रवाई की मांग

घटना सामने आने के बाद उपभोक्ताओं ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन से मामले की जांच और संबंधित प्रतिष्ठान के खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। सवाल यह भी है कि यदि एक पैकेट में खराब पाव मिल सकते हैं तो क्या अन्य पैकेटों में भी इसी तरह की समस्या हो सकती है? विभाग द्वारा प्रतिष्ठान से खाद्य नमूने लेकर उनकी जांच की जाती है तो स्थिति और स्पष्ट हो सकती है।

उज्जैन को भी सख्त कार्रवाई की जरूरत

उपभोक्ता का कहना है कि शहर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर प्रशासन को गंभीर और सख्त रवैया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उज्जैन में भी तुकाराम मुंडे जैसे सख्त और ईमानदार अधिकारियों की जरूरत महसूस होती है, ताकि लापरवाही करने वाले प्रतिष्ठानों पर समय रहते कार्रवाई हो और आम लोगों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं स्वस्थ खाद्य सामग्री मिल सके। यह मामला केवल एक पैकेट पाव तक सीमित नहीं माना जा सकता। यदि खाद्य सामग्री में फफूंद जैसी समस्या सामने आती है तो संबंधित विभाग को इसकी जांच कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार में बिक रही खाद्य सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप है। साथ ही उपभोक्ताओं से भी अपील है कि पैकेट खोलने से पहले निर्माण एवं एक्सपायरी तिथि, पैकिंग की स्थिति और खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता अवश्य जांचें तथा खराब सामग्री मिलने पर संबंधित विभाग को शिकायत करें।

जयपुर के मानसरोवर से हिरासत में आया आरोपी...

शादी का झांसा देकर महिला से ठगे 1.27 करोड़

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शादी का झांसा देकर महिला से 1.27 करोड़ ठगने वाले आरोपी को 3 माह की तलाश के बाद जयपुर के मानसरोवर से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी काफी शातिर है, जो अपना ठिकाना बदलकर महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था और शारिरीक संबंध बनोन के बाद उनसे रुपए ऐंठ लेता था।

माधवनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला ने 13 मई को शिकायती आवेदन देकर बताया था कि उसकी कुछ माह पहले आटो में मनीष पिता तीरथदास 36 साल निवासी मानसरोवर जयपुर राजस्थान से मुलाकात हुई थी। बातों में उसने मोबाइल नम्बर ले लिया था। बातचीत के दौरान उसने शादी का विश्वास दिलाया और अनैतिक कृत्य किया, यहीं नहीं उसने अलग-अगल समय पर करीब 1.27 करोड़ रुपए भी ले लिये। मार्च 2006 में शादी से इंकार कर दिया। मामला गंभीर होने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया। माधवनगर थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया ने बताया कि आरोपी की लगातार तलाश की जा रही थी। सूचना मिलने पर एक टीम राजस्थान के जयपुर स्थित मानसरोवर भेजी गई, जहां से उसे गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया। रिमांड अवधि के दौरान उससे महिला का झांसा देकर की गई ऑनलाइन शॉपिंग का सामान, 2 मंहगे मोबाइल, नगद राशि बरामद की गई है। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी पूर्व में भी कई महिलाओं को झांसा देकर अपने जाल में फंसा चुका है। उसने धार की एक युवती को अहमदाबाद में पत्नी बनाकर रखा है। लिम्बाहेड़ा में महिला को जाल में फंसा रखा है। कुछ ओर महिलाओं की जानकारी भी सामने आई है। जिनके साथ झांसेबाजी कर उनका शोषण किया और पैसे ऐंठे है। गुरूवार को पूरे मामले का एसपी प्रदीप शर्मा द्वारा खुलासा किया।

ठिकाने बदलकर लेता था किराये का मकान

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि उज्जैन की महिला से मुलाकत करने के दौरान आरोपी ने देवास में किराये का मकान लेकर ठिकाना बना रखा था। मिलने के बाद खुद को बिजनेसमेन बताया था। ऐसे ही अलग-अलग शहरों में महिलाओं को अपने जाल में फंसाने के लिये उसने अपना ठिकाना बदला था। उसे बरामद किये गये मोबाइल से अन्य महिलाओं की जानकारी पुलिस के सामने आई है। आरोपी के शौक काफी मंहगे है।

ऊंचे घरानों की महिला का रखा था नजर

बताया जा रहा है कि आरोपी खुद तलाकशुदा है और ऊंचे घरानों की महिलाओं पर नजर रखा है। बातचीत के दौरान उसे महिला पैसे वाली होना सामने आती थी तो वह संपर्क बढ़ाना शुरू कर देता था। वह तलाशशुदा महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था, ताकि महिला उस पर आसानी से विश्वास कर लें। जबकि आरोपी की मां राजस्थान स्थित जयपुर में रहकर घरों में बर्तन मांझने का काम करती है। आरोपी अधिकांश समय घर से बाहर ही रहता था।

कार्तिक मेला ग्राउंड पर चोरी की फिराक में थी 4 महिलाएं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कार्तिक मेला ग्राउंड पार्किंग स्थल पर चोरी की फिराक में खड़ी चार महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिनके पास से चाकू और लोहे का पाइप बरामद किया गया है। महिलाएं पार्किंग में खड़े वाहनों के कांच फोड़कर उसमें रखा सामान चोरी करने वाली थी।

महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि सावन माह के चलते देशभर से हजारों श्रद्धालु महाकाल दर्शन के लिये पहुंच रहे है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों का खड़ा करने के लिये पार्किंग स्थल बनाये गये है। सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरे क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर रही है। बुधवार रात को पुलिस कार्तिक मेला ग्राउंड पार्किंग स्थल भ्रमण के लिये पहुंची थी। जहां चार महिलाओं पर संदेह हुआ। एक के पास लोहे का पाईप था। पुलिस ने महिलाओं से पूछताछ की तो वह बरगलाने का प्रयास करने लगी। संदेह होने पर थाने लाया गया। जहां महिला पुलिसकर्मियों द्वारा तलाशी लगी गई तो उनके पास से 2 छोटे चाकू और एक खटकेदार चाकू बरामद हो गया। मामला गंभीर लगने पर सख्ती से पूछताछ की गई तो चारों महिलाओं के नाम खुशी पति साहिल जाटव 20, मीना पति छोटू जाटव 30 वर्ष, मंतीदेवी पति स्वर्गीय गुर्जन जाटव 60 वर्ष निवासी ग्राम इसुपुर थाना महंदाबाद जिला गाजीपुर उत्तर प्रदेश और राजपति पति रामनयन जाटव 50 वर्ष निवासी ग्राम गौशाला झांसी उत्तर प्रदेश समाने आये। चारों से पूछताछ में पता चला कि सावन माह में प्रतिदिन हजारों-लाखों की संख्या में श्रद्धालु उज्जैन आ रहे है। जिनको निशाना बनाने के लिये आई हुई थी। कार्तिक मेला ग्राउंड पार्किंग में खड़ी गाड़ियों के कांच फोड़कर सामान चोरी करने की फिराक में थी। थाना प्रभारी के अनुसार चारों के खिलाफ चोरी की योजना बनाने और आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया है। विदित हो कि धार्मिक नगरी में बड़े आयोजनों के दौरान बाहरी गैंग वारदात के लिये उज्जैन पहुंचती है। पूर्व में भी पुलिस मंदिर क्षेत्र के आसपास से कई महिला-पुरूषों को गिरफ्तार कर चुकी है।

ब्रांडेड सिगरेट चोरी करने वाले को भेजा जेल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

जून माह में महेश्वरी एजेंसी के गोदाम से लाखों की ब्रांडेड सिगरेट चोरी में गिरफ्तार एक बदमाश को गुरूवार दोपहर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। बदमाश का दूसरा साथी गुजरात स्थित वलसाड़ पुलिस की हिरासत में है, जिसे जल्द उज्जैन लाया जायेगा।

दशहरा मैदान स्थित महेश्वरी एजेंसी से हुई 20 से 25 लाख की ब्रांडेड सिगरेट के मामले में माधवनगर थाना पुलिस ने रामपाल उर्फ रामा पिता हरिराम चौधरी निवासी इंद्रा कालोनी विस्तार पाली राजस्थान हाल मुकाम पूणे महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया था। जिसकी निशानदेही पर 15 लाख कीमत की सिगरेट, एक किया सेनोट कार और 1.35 लाख रुपए बरामद किये थे। गुरूवार को मामले का खुलासा करने के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। माधवनगर थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया के अनुसार चोरी में शामिल आरोपी का दूसरा साथी रेहान उर्फ राजा ठाकुर गुजरात वलसाड पुलिस की हिरासत में है, जिसे उज्जैन लाया जायेगा। दोनों ने सिगरेट चोरी करने के साथ नागझिरी थाना क्षेत्र और मंदसौर के दलोदा से कारें चोरी की थी। दोनों गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्यप्रदेश में ब्रांडेड सिगरेट चोरी को अंजाम दे चुके है। दोनों के खिलाफ कई मामले दर्ज है। वारदात से पहले दोनों गगूल पर आईटीसी एजेंसी को सर्च करते थे और रैकी करने आते थे। उसके बाद कार चुराकर सिगरेट गोदाम पर वारदात करने पहुंचते थे।

दूसरे बदमाश को गुजरात से लायेगी पुलिस

पिता घर लौटे तो फंदे पर लटकी मिली पुत्री

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

द्वितीय वर्ष का अध्ययन कर रही छात्रा के पिता गुरूवार दोपहर घर लौटे तो उन्होने पुत्री को रस्सी के फंदे पर लटका देखा। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची और विवेचना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल पहुंचाया।

नागझिरी थाना क्षेत्र के त्रिवेणी विहार कालोनी में रहने वाली सपना पिता मनीराम शाक्य 20 वर्ष द्वारा फांसी लगाने की सूचना मिलने पर एएसआई लाखनसिंह टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे थे। सपना ने रस्सी का फंदा बनाकर पंखे के एंगल से फांसी लगाई थी। विवेचना के दौरान पिता ने बताया कि सपना द्वितीय वर्ष का अध्ययन कर रही थी। वह कुकर सुधारने का काम करते है, सुबह घर से निकल गये थे। सपना की मां प्रायवेट कंपनी में काम करती है, वह भी चली गई थी। घर पर सपना अकेली थी, दोपहर में खाना खाने लौटा तो पुत्री को देखा। पुलिस ने घटनास्थल की विवेचना के बाद मामले में मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिये चरक अस्पताल पहुंचाया। एएसआई के अनुसार घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया यह भी जा रहा था कि 2 माह पहले फांसी लगाने वाली छात्रा की सगाई हो चुकी थी। फिलहाल मामला जांच में है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान दर्ज करने पर फांसी लगाने का कारण सामने आ पायेगा।

प्रेम विवाह करने वाली ने किया सुसाइड

नरवर में प्रेम विवाह करने वाली 18 वर्षीय सलोनी पति पियुष ने गुरूवार शाम घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना के समय पति काम पर गया था और सास बाजार गई थी। लौटने पर उन्होने सलोनी को फंदे पर लटका देखा। एएसआई लोकेशसिंह ने बताया कि प्रारंभिक विवेचना में सामने आया कि सलोनी देवास के भौरासा कर रहने वाली थी। 2 माह पहले ही प्रेम विवाह किया था। 2015 में सलोनी के ससुर ने भी सुसाइड किया था। एएसआई के अनुसार घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिये उज्जैन चरक अस्पताल भेजा गया है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू की जायेगी।

जमीन का सवा करोड़ में सौदा कर ठगे थे 31 लाख

9 माह बाद गिरफ्त में आया 10 हजार का इनामी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

जमीन का सौदा कर 31 लाख की धोखाधड़ी करने वाला 9 माह से फरार चल रहा था। जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया था।

महिदपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि 9 माह पहले ग्राम बनीखेड़ी में रहने वाले भादरलाल पिता थावर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने महिदपुर तहसील में सवा करोड़ की जमीन का सौदा किया था। सौदे कराने में प्रकाश यादव, शैतानसिंह, राघोसिंह और चैनलाल शामिल थे। सौदा तय होने पर 31 लाख बयान दिया गया था, लेकिन चारों ने उसके साथ कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर धोखाधड़ी की है। पुलिस ने जांच के बाद मामले में प्रकरण दर्ज कर 3 आरोपी प्रकाश, राघोसिंह और चैनलाल को गिरफ्तार कर लिया था। चौथा आरोपी शैतानसिह पिता ऊँकारसिह सौंधिया निवासी मालाखेडा थाना ताल जिला रतलाम लगातार फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 10 हजार के इनाम की उद्घोषणा की गई थी। फरार आरोपी की तलाश के लिये एएसआई राधेलाल निनामा, आरक्षक समरथ पाटीदार का जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जिन्होने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबीर तंत्र के आधार पर फरार इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसे पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

उज्जैन से गुजरात पहुंची कथित शराब की खेप पर कांग्रेस का हल्ला बोल

जहरीली शराब मामले में कांग्रेस का आबकारी कार्यालय पर प्रदर्शन

28 पेटियों के उज्जैन कनेक्शन पर उठाए सवाल, विधायक महेश परमार ने पूछा– शराबबंदी वाले शहर से गुजरात कैसे पहुंची शराब

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

गुजरात के भावनगर में कथित जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों के मामले में उज्जैन कनेक्शन सामने आने के दावे के बाद कांग्रेस ने गुरुवार को जिला आबकारी कार्यालय का घेराव किया। कांग्रेस विधायक महेश परमार और शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आबकारी कार्यालय पहुंचे और करीब दो घंटे तक धरना देकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने कथित तौर पर उज्जैन से गुजरात पहुंची शराब की 28 पेटियों के स्रोत, परिवहन और सप्लाई नेटवर्क की जांच की मांग की। प्रदर्शन के बाद आबकारी अधिकारियों ने उठाए गए सभी बिंदुओं की जांच कराने तथा जांच रिपोर्ट की प्रति पांच दिवस में उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि गुजरात पुलिस की प्रारंभिक जांच में शराब की कथित 28 पेटियों की खेप उज्जैन से भावनगर पहुंचने की बात सामने आई है। मीडिया रिपोर्टों में इस मामले में अब तक नौ लोगों की मौत और कई लोगों के बीमार होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, इस पूरे मामले में उज्जैन से शराब की खेप जाने और उसके स्रोत से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र सरकारी जांच से पुष्टि होना अभी बाकी है। कांग्रेस ने आबकारी विभाग से पूछा कि यदि कथित खेप वास्तव में उज्जैन से रवाना हुई थी तो उसका स्रोत क्या था, उसे किसने भेजा, किस वाहन से परिवहन किया गया और गुजरात में किस व्यक्ति अथवा नेटवर्क ने उसे प्राप्त किया।

तस्करों के पीछे पूरा नेटवर्क कौन चला रहा है– शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने कहा कि मामले की जांच केवल कुछ लोगों की गिरफ्तारी या शराब जब्ती तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह पता लगाया जाना जरूरी है कि कथित शराब उज्जैन में कहां से आई, किसने उसे उपलब्ध कराया, परिवहन किसने किया और गुजरात में उसे किसने प्राप्त किया। कांग्रेस नेताओं ने यह भी मांग की कि जांच में यदि किसी लाइसेंसधारी कारोबारी, डिस्टलरी, स्थानीय नेटवर्क या सरकारी तंत्र की लापरवाही अथवा मिलीभगत सामने आती है तो उसकी भी जिम्मेदारी तय की जाए। हालांकि, किसी व्यक्ति या संस्था की संलिप्तता की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। कांग्रेस संगठन महासचिव अजय राठौर के अनुसार कार्यकर्ता तख्तियां लेकर जिला आबकारी कार्यालय पहुंचे।

विधायक महेश परमार ने सरकार पर साधा निशाना

धरने को संबोधित करते हुए विधायक महेश परमार ने कहा कि उज्जैन से 28 पेटियां गुजरात पहुंचने और वहां लोगों की मौतों की खबर सामने आने के बाद सरकार को पूरे मामले पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि शराब उत्पादन से लेकर बिक्री और परिवहन तक निगरानी एवं ट्रैकिंग व्यवस्था होने के बावजूद इतनी बड़ी खेप कथित रूप से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंची। परमार ने कहा कि जांच केवल शराब की पेटियों या स्थानीय आरोपियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com